इंदौर, बुधवार 01 जुलाई 2026
वर्ष : 5 ■ अंक : 210
पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

लंबे समय बाद शिक्षा विभाग में बदली कुर्सियां

पेज-2

व्यस्तता के कारण बेटियों से हुई भावनात्मक दूरी- स्मिता

पेज-5

तीन साल से बंद मांगलिया रेलवे क्रॉसिंग

पेज-6

कलेक्टोरेट में बड़ा बदलाव जल्द
ट्रांसफर हुए सभी एसडीएम हुए कार्यमुक्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर कलेक्टोरेट में 15 जून को ट्रांसफर हुए डिप्टी कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर को इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने रिलीव कर दिया है। इस संबंध में कल आदेश जारी कर दिए हैं। फिलहाल लिंक अधिकारियों को रिक्त हुए पदों को संभालने के लिए कहा गया है। जल्द ही नए सिरे से कार्यविभाजन होगा।

चार तहसील के एसडीएम गए-मप्र शासन द्वारा किए गए ट्रांसफर में चार ऐसे अधिकारी भी थे जो तहसील में एसडीएम पद पर पदस्थ थे। इसमें दो अपर कलेक्टर पर पदोन्नत हुए। जिसमें राउ एसडीएम गोपाल वर्मा और सांवेर एसडीएम राकेश त्रिपाठी थे। दोनों रिलीव हो गए। इसी तरह देपालपुर एसडीएम प्रदीप सोनी और खुड़ैल एसडीएम प्रियंका चौरसिया भी रिलीव हो गए हैं। इस तरह चार एसडीएम पद खाली हुए हैं। इन पर नए अधिकारी आएंगे।

पांच अधिकारियों ने किया जॉइन-उधर इंदौर ट्रांसफर होकर आए अधिकारियों में मंगलवार तक पांच अधिकारी जॉइन कर चुके हैं, बाकी एक अधिकारी भी एक-दो दिन में संभावित है। अभी तक धार से आए संयुक्त कलेक्टर राहुल गुप्ता, दतिया से आई श्रुति अग्रवाल व दतिया से ही आए लोकेंद्र सिंह सरल, भोपाल से आई अलका सिंह वामनकर और सीएस आफिस से आए राजेश सिंह ने जॉइन कर लिया है। विदिशा से ट्रांसफर हुए एचएस विश्वकर्मा का जॉइन होना बाकी है।

इंदौर से यह ट्रांसफर हुए-वहीं इंदौर से नीरज खरे, प्रदीप सोनी, ओम बड़कुल, कल्याणी पाण्डेय, प्रिया पटेल, सीमा कनेश, प्रियंका चौरसिया ट्रांसफर हुए हैं। उधर इंदौर से ट्रांसफर हुए दो तहसीलदार बलवीर सिंह राजपूत और याचना दीक्षित को हाईकोर्ट से 15 दिन की राहत मिली है।

बड़ी प्रशासनिक सर्जरी होगी

इंदौर में नए अधिकारी आए हैं, ऐसे में अब बड़ी प्रशासनिक सर्जरी होगी। चार एसडीएम तो तहसीलों में सीधे नए आएंगे। वहीं माना जा रहा है कि कलेक्टर इसमें सभी तहसीलों की स्थिति और अधिकारियों के अनुभव को देखते हुए पदस्थापना देंगे। अनुभवी अधिकारियों को अहम शाखाओं का भी प्रभार दिया जाएगा।

इंदौर की उपेक्षा : वास्तविक दर्द या राजनीतिक कुंठा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर की उपेक्षा को लेकर सार्वजनिक रूप से नाराजगी जताई है। राजनीतिक विश्लेषज्ञ मुख्यमंत्री को लिखे पत्र के पीछे अनेक संभावित राजनीतिक अर्थ निकाल रहे हैं। पत्र का मजनून प्रथम दृष्ट्या राजनीतिक विश्लेषण का विषय हो सकता है, लेकिन अगर सूक्ष्मता से देखा जाए तो यह इंदौर में वर्चस्व को लेकर भाजपा की अंदरूनी राजनीति का ही एक हिस्सा हो सकता है।

दर्द का पक्ष : कैलाश विजयवर्गीय लंबे समय से इंदौर की राजनीति के प्रमुख चेहरा रहे हैं। यदि उन्हें लगता है कि शहर की अधोसंरचना परियोजनाएं, विकास कार्य या प्रशासनिक प्राथमिकताएं अपेक्षित गति से नहीं बढ़ रही हैं, तो उनका बयान इंदौर के प्रति वास्तविक चिंता और जिम्मेदारी का प्रदर्शन माना जा सकता है।

कुंठा का पक्ष : राजनीति में शक्ति-संतुलन भी महत्वपूर्ण होता है। यदि निर्णय प्रक्रिया में उनकी भूमिका पहले की तुलना में कम हुई हो, या इंदौर से जुड़े मुद्दों पर उनकी राय को पर्याप्त महत्व नहीं मिल रहा हो, तो बयान को राजनीतिक असंतोष अथवा कुंठा की अभिव्यक्ति के रूप में भी देखा जा सकता है।

यह तय करना कठिन है कि बयान में दर्द अधिक था या कुंठा। लेकिन इतना जरूर है कि इस बयान ने यह संदेश दिया कि प्रदेश की सत्ता के केंद्र में बैठे नेताओं के बीच इंदौर की प्राथमिकता को लेकर सब कुछ सामान्य नहीं है।

गौरतलब है कि कैलाश विजयवर्गीय मध्यप्रदेश के भारतीय जनता पार्टी के ऐसे कद्दावर नेता माने जाते है, जिनकी राष्ट्रीय नेताओं के बीच अच्छी पकड़ मानी जाती है। यही कारण है कि वर्ष 2003 के बाद से प्रदेश के सभी मुख्यमंत्रियों को बनाने में उनकी अहम भूमिका रही है। बात करे चाहे उमा भारती की, बाबूलाल गौर की, शिवराजसिंह चौहान की, सभी मुख्यमंत्री के बनते ही कैलाश विजयवर्गीव उनके खास मंत्रियों में शुमार थे, लेकिन कैलाश विजयवर्गीय की महत्वाकांक्षा के चलते हर मुखमंत्री ने उनसे दूरी बनाते हुए यहीं हालत वर्तमान मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ भी बन रहे है।

कैलाश विजयवर्गीय को यह समझना होगा कि इंदौर प्रदेश की आर्थिक राजधानी है और हर मुख्यमंत्री यहां अपना वर्चस्व चाहता है। वही कैलाश विजयवर्गीव अपने आपको इंदौर का एकछत्र नेता मानते है। यहीं अधिकारों का छिपा युद्ध धीरे धीरे ही सही उभर कर बयानों के रूप में उभर कर आ रहा है। इतना तो तय है कि कैलाश विजयवर्गीय का यह पत्र महज अपने शहर की चिंता बनकर नहीं रहेगी, बल्कि उनका यह पत्र राजनीतिक विस्फोट का काम करेगा, जिसके धमाके के स्वर आने वाले कुछ समय में सुनाई देंगे।

मप्र कांग्रेस की पीएसी की वर्चुअल बैठक में उठा उज्जैन के भूमि आवंटन विवाद का मामला

दिग्विजय सिंह का बयान कांग्रेस में अंदरूनी घमासान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● उज्जैन में एक ट्रस्ट को भूमि आवंटन विवाद को लेकर मप्र कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की मंगलवार को हुई वर्चुअल बैठक में पार्टी के भीतर मतभेद खुलकर सामने आ गए। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के हालिया बयान को लेकर कई नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताई। नेताओं का कहना था कि यदि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के बयान अलग-अलग होंगे, तो कार्यकर्ताओं के लिए जनता के बीच इस मुद्दे को उठाना मुश्किल हो जाएगा। बैठक में पूर्व विधायक प्रवीण पाठक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि मैदान में पार्टी कार्यकर्ता संघर्ष कर रहा है, लेकिन यदि वरिष्ठ नेता ही प्रदेश अध्यक्ष के रुख को कमजोर करेंगे, तो जनता के सामने जवाब देना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान पार्टी की पूरी मुहिम को नुकसान पहुंचा सकते हैं और कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटेगा।

बैठक में विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भूमि आवंटन का गंभीर मुद्दा उठाया, लेकिन दिग्विजय सिंह के बयान के बाद कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति बन गई है। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस जनता के बीच जाएगी, तो लोग पूछेंगे कि आखिर सही कौन है, जीतू पटवारी या दिग्विजय सिंह। पहले पार्टी के भीतर एक राय बननी चाहिए, तभी आंदोलन प्रभावी होगा।

करोड़ों की जमीन आरएसएस के लोगों को 1 रुपए में दी

बैठक के बाद प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि प्रदेश में करोड़ों रुपए की सरकारी जमीन एक रुपए की लीज पर ट्रस्टों को दी गई और इसका लाभ आरएसएस-बीजेपी से जुड़े लोगों को मिलता है। राम जन्म भूमि ट्रस्ट को भी नरेंद्र मोदी सरकार ने सरकारी ट्रस्ट बनाया था। वहां 200 करोड़ रुपए की कथित लूट के प्रमाण भी सामने आ चुके हैं। अयोध्या से लेकर महाकाल तक भाजपा ने देश की आस्थाओं की चोरी की है। अयोध्या में सार्वजनिक चोरी हुई।

न्यूज ब्रीफ

- दिल्ली साइबर पुलिस ने 'डिजिटल अरेस्ट' रैकेट का किया भंडाफोड़, बंगाल से तीन गिरफ्तार
- घरेलू ATF की कीमत 1,15,000/किमी से घटाकर हुई 1,10,000/किलोमीटर
- नेपाल में पेट्रोल-डीजल के दामों में भारी कटौती, LPG सिलेंडर में भी 100 रु. सस्ता
- चीन का कड़ा संदेश, शी जिनपिंग बोले- राष्ट्रीय संप्रभुता से कोई समझौता नहीं
- नायरा एनर्जी ने पेट्रोल की कीमत में 5 और डीजल की कीमत में 3 रु. प्रति ली. की कटौती की
- बिहार STF ने अंतरराज्यीय ड्रग नेटवर्क का किया भंडाफोड़, करोड़ों की नशीली दवाएं जब्त, 6 अरेस्ट
- केतन मर्डर केस : घटनास्थल पर आरोपी चेतन के साथ क्राइम सीन रीक्रिएट करेगी पुणे पुलिस
- 19KG वाला LPG कॉमर्शियल सिलेंडर हुआ सस्ता, घटे 183 रुपये
- यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, कंटेनर से टकराई बस, 4 की मौत, 32 घायल
- क्रिप्टो से ट्रंप की रिकॉर्ड कमाई, एक साल में 1.4 अरब डॉलर से ज्यादा की आय

देर रात ऋषिकेश से इंदौर आ रही बस टकराई, 8 की मौत

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर मंगलवार देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। ऋषिकेश से इंदौर जा रही स्लीपर बस आगे चल रहे ट्रेलर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों में आग लग गई।

आग ने कुछ ही मिनटों में पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में 8 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 21 लोग घायल हुए हैं। घायलों का इलाज दौसा जिला अस्पताल में चल रहा है। हादसा मंगलवार रात करीब 2:30 बजे कोलवा थाना क्षेत्र के तनावड़ जीरो पॉइंट पर हुआ। पुलिस के अनुसार बस तेज रफ्तार में थी और पीछे से ट्रेलर में जा घुसी। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कई यात्री बस के अंदर ही फंस गए।

यात्रियों का आरोप- एक घंटे तक नहीं पहुंची मदद : हादसे के बाद यात्रियों और स्थानीय लोगों ने बचाव कार्य में देरी का आरोप लगाया है। इंदौर निवासी यात्री चंद्रप्रकाश गुप्ता ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ बस में सफर कर रहे थे। आग लगने के बाद किसी तरह उन्हें बाहर निकाला गया, लेकिन उनकी पत्नी का पैर सीट में फंस गया था।

उन्होंने बताया, धुआं तेजी से भर रहा था। मैंने पत्नी को बचाने की कोशिश की, लेकिन वह बेहोश हो गई। रास्ते में एक घायल यात्री को भी बाहर निकाला। पुलिस और हाईवे पेट्रोलिंग को फोन किया, लेकिन करीब एक घंटे तक कोई मदद नहीं पहुंची। तब तक कई लोग बस में फंसे रहे। बस में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही हैं। पुलिस की टीम ने बुधवार सुबह करीब एक घंटे तक बस के अंदर जांच की। बस में आग लगने के कारणों की जांच की जा रही हैं। पुलिस की टीम ने बुधवार सुबह करीब एक घंटे तक बस के अंदर जांच की।

आग और चोट से गई 8 लोगों की जान : पुलिस के मुताबिक हादसे में कुल 8 लोगों की मौत हुई है। इनमें 6 यात्रियों की मौत आग में झुलसने से हुई, जबकि 2 लोगों ने सिर में गंभीर चोट लगने के कारण दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

श्रीदत्त देवालय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के चतुर्थ दिवस

शंकराचार्य स्वामी ने श्रद्धालुओं को श्रीविद्या दीक्षा प्रदान की वारकरी दिंडी व पालखी सोहले से भक्तिमय हुआ वातावरण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● श्री केशवानंद सरस्वती आश्रम ट्रस्ट एवं श्री दत्त माऊली भाविक मंडल द्वारा आयोजित श्रीदत्त देवालय (अवधूत मंदिरम्) में चल रहे श्री दत्तात्रेय मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के चतुर्थ दिवस मंगलवार को वैदिक परंपरा के अनुरूप विविध धार्मिक अनुष्ठान अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक गरिमा के साथ सम्पन्न हुए।

प्रात:काल वैदिक आचार्यों के सान्निध्य में फलाधिवास, पुष्पाधिवास तथा पर्याय होम (स्वारभिषेक अनुष्ठान) विधि-विधानपूर्वक सम्पन्न हुए। वैदिक मंत्रोच्चार एवं यज्ञीय वातावरण के मध्य भगवान श्रीदत्तात्रेय की प्राण-प्रतिष्ठा की पावन प्रक्रिया क्रमबद्ध रूप से आगे बढ़ाई गई।

महोत्सव का प्रमुख आकर्षण परमपूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानंद सरस्वती जी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित श्रीविद्या दीक्षा समारोह रहा। इस अवसर पर देशभर से आए श्रद्धालुओं एवं साधकों ने शंकराचार्य महाराज से श्रीविद्या की दिव्य दीक्षा ग्रहण कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। सायंकाल भी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शंकराचार्य महाराज के दर्शन, आशीर्वाद एवं आध्यात्मिक मार्गदर्शन का लाभ लिया।

सायंकाल श्री क्षेत्र आलंदी से पधारे वारकरी विद्यार्थियों द्वारा पारंपरिक वारकरी दिंडी एवं भव्य पालखी सोहला अत्यंत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ निकाला गया। 'ज्ञानबा-तुकाराम' एवं 'श्रीगुरुदेव दत्त' के जयघोष, टाल-मृदंग की मधुर ध्वनि तथा अभंग गायन से सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके पश्चात माऊली भजन मंडल, पुणे द्वारा प्रस्तुत भजन सेवा ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया।

महोत्सव में बड़ी संख्या में संत-महात्माओं, वेदाचार्यों, गणमान्य नागरिकों एवं श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। आयोजन समिति ने सभी भक्तों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आगामी धार्मिक कार्यक्रमों में भी अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने का आग्रह किया।

गौशाला में गबन और भ्रष्टाचार के आरोप प्रशासन मौन

गौशाला में है 50 गाय, लेकिन अनुदान लिया 102 गायों का

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

गौशालाओं में भ्रष्टाचार और गौवंश पर अत्याचार को लेकर प्रदेश में हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बार-बार दिए गए निर्देशों के बावजूद जमीनी स्तर पर हालात बिल्कुल उलट दिखाई दे रहे हैं।

ग्राम खजुरिया रेशम केंद्र, हातोद स्थित उत्सव श्राद्ध विहार गौशाला में गंभीर गड़बड़ी का मामला सामने आया है। गौशाला अध्यक्ष राकेश पोरवाल पर करोड़ों रुपये के वित्तीय गबन, पशु क्रूरता और शासकीय अनुदान के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है। संगठन का कहना है कि कागजों में 102 गौवंश दिखाकर आठ महीने से फर्जी अनुदान लिया जा रहा है, जबकि मौके पर केवल 50 गौवंश पाए गए। मृत गायों को सम्मानजनक भू-समाधि देने के बजाय नाले में फेंका जा रहा है।

शिकायतें पहले ही एसडीएम हातोद, पशुपालन विभाग और पुलिस तक पहुंच चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे नाराज होकर श्री

कुबेर राज गौ सेवा संगठन ने कलेक्टर कार्यालय में आवेदन देकर अंतिम चेतावनी दी है प्रदेश अध्यक्ष आचार्य श्री तेजेश्वरानंद ने कहा कि यदि बुधवार तक समिति बदली नहीं गई और राकेश पोरवाल पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई तो गुरुवार से जन आंदोलन शुरू होगा। आंदोलन में करणी सेना, बजरंग सेना और हिंदू महासभा समेत कई संगठन शामिल होंगे।

बड़ा फेरबदल : लंबे समय बाद शिक्षा विभाग में बदली कुर्सियां

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राज्य शासन के तबादला अभियान में इस बार जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय सबसे अधिक चर्चाओं में रहा। शासन ने विभाग के लगभग सभी प्रमुख अधिकारियों में बदलाव करते हुए नए चेहरों को जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं कुछ नए कर्मचारियों की आमद ने भी कार्यालय की कार्यशैली को लेकर नई उम्मीदें जगा दी हैं।

'सबसे पहले सहायक संचालक और अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक का पद संभाल रहे शौर्य मल्होत्रा को डीईओ बनाया गया वही एक वर्ष से जिला शिक्षा अधिकारी का पद संभाल रही शांता स्वामी भार्गव को अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक बनाया गया। इसी तरह सहायक संचालक के पद पर मुलताई के विकासखंड शिक्षा अधिकारी सक्षम बारमेटे को पदस्थ किया गया। इस तरह इस कार्यालय के सभी तीनों पदों पर स्कूलों शिक्षा विभाग ने परिवर्तन कर दिया।

दिलचस्प बात यह है कि जहां जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में व्यापक फेरबदल हुआ है, वहीं संयुक्त संचालक (जेडी) कार्यालय लगभग अछूता रहा। जेडी कार्यालय में किसी बड़े परिवर्तन के नहीं होने से विभागीय गलियारों में इसकी भी चर्चा है कि आखिर बदलाव की आंधी वहां तक क्यों नहीं पहुंची।

डीईओ कार्यालय में वर्षों से एक ही व्यवस्था के तहत काम कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों के बदलने से शिक्षा जगत में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कई लोगों का मानना है कि यह बदलाव प्रशासनिक कार्यों में नई गति और पारदर्शिता ला सकता है, जबकि कुछ लोग इसे आगामी शैक्षणिक सत्र की चुनौतियों से जोड़कर देख रहे हैं।

विभागीय कर्मचारियों के बीच सबसे अधिक चर्चा इस बात की है कि लंबे समय बाद कार्यालय की कई महत्वपूर्ण सीटों पर नए चेहरे दिखाई देंगे। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि नई टीम शिक्षा व्यवस्था से जुड़े लंबित मामलों, स्कूलों की समस्याओं और प्रशासनिक चुनौतियों का किस तरह समाधान करती है।

डीपीसी में भी हुआ बदलाव

जिला परियोजना समन्वयक के पद पर संजय मिश्र की भी बिदाई हो गई है। गौरतलब है कि उनका इंदौर का कार्यकाल काफी हंगामे से भरा रहा। उनकी कार्यशैली को लेकर अनेक शिकायतें हुई लेकिन स्कूली शिक्षा मंत्री के नजदीकी के वरदहस्त के चलते उन पर कोई कारवाही नहीं हुई है। उनकी जगह पर देवास के डीपीसी अजय मिश्र को पदस्थ किया गया है। हालांकि उक्त आदेश को आए हुए अब तक एक हफ्ते हो चुका है लेकिन अभी तक संजय मिश्र को रिलीव नहीं किया गया है। शिक्षा विभाग के अपुष्ट सूत्रों के अनुसार यह ही कहा जा रहा है कि वे अपना ट्रांसफर रुकवाने के प्रयास में लगे हुए है। बहरहाल जिस तरह से इस बार स्कूलों शिक्षा विभाग ने तबादलों को लेकर कड़ा रुख अपनाया है उसे आदेशों को रद्द होने की संभावना नहीं बताई जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

चौथी ब्रोंकोपल्मोनरी वर्ल्ड कांग्रेस 2026 का आयोजन 3 से 5 जुलाई को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बदलती जीवनशैली, बढ़ते प्रदूषण, धूम्रपान की आदत, संक्रमण और टीबी जैसी बीमारियों के कारण फेफड़ों से जुड़ी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे समय में मरीजों तक बेहतर और आधुनिक इलाज पहुंचाने के उद्देश्य से देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में चौथी ब्रोंकोपल्मोनरी वर्ल्ड कांग्रेस 2026 का आयोजन 3 से 5 जुलाई तक किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत सहित दुनिया के कई देशों के श्वसन रोग विशेषज्ञ, पल्मोनोलॉजिस्ट, क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ, थोरैसिक सर्जन, मेडिकल रिसर्चर और युवा चिकित्सक शामिल होंगे। कॉन्फ्रेंस का मुख्य आयोजन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में होगा, जबकि इसकी शुरुआत 3 जुलाई को प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप के साथ होगी।

जिले में अब तक साढ़े 7 इंच औसत वर्षा दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर जिले में जारी मानसून सत्र में अब तक 189.5 मिलीमीटर (लगभग साढ़े 7 इंच) औसत वर्षा हो चुकी है। यह आंकड़ा गत वर्ष इस अवधि में दर्ज 122.9 मिलीमीटर (लगभग 5 इंच) औसत वर्षा से 66.6 मिलीमीटर (लगभग ढ़ाई इंच) अधिक है। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार आज 30 जून की सुबह 8.30 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटे में वर्षामापी केन्द्र इंदौर में 0.2 मिलीमीटर, महू में 47 मिलीमीटर, सांवेर में 00 मिलीमीटर, देपालपुर में 44.8 मिलीमीटर, गौतमपुरा में 47.6 मिलीमीटर तथा हातोद में 17 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

बगैर अनुमति के आयोजन करने पर प्रतिबंध

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर नगर मेट्रोपॉलिटन की सीमा में कानून व्यवस्था को कायम रखने/जन सामान्य के हित/जानमाल एवं लोक शांति को बनाये रखने हेतु इन्दौर नगरीय सीमा में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए गए हैं। इस संबंध में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने भारतीय नागरिक संहिता की धारा 163 के तहत आदेश जारी किया है। जारी आदेश के अनुसार इंदौर नगरीय सीमा में कोई भी धार्मिक संस्था / राजनैतिक संगठन/अन्य समूह जैसे वेतन भोगी, शासकीय कर्मचारी आदि संगठन जब तक किसी आयोजन की विधिवत् सक्षम अधिकारी से अनुमति प्राप्त नहीं कर लेते, तब तक उस आयोजन को करना प्रतिबंधित किया गया है ।

बोतल या अन्य किसी खुले रुप में पेट्रोल व अन्य ज्वलनशील पदार्थों के विक्रय पर प्रतिबंध

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इन्दौर नगर (मेट्रोपोलिटन) की सीमा में कानून व्यवस्था को कायम रखने/जन सामान्य के हित/जानमाल एवं लोक शांति को बनाये रखने हेतु पेट्रोल पंप से डिब्बे तथा बोतल या अन्य किसी खुले रुप में पेट्रोल एवं अन्य ज्वलनशील पदार्थों के विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह द्वारा इस संबंध में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत आदेश जारी किये गये हैं।

सोशल मीडिया पर जातिगत भावनाओं को भड़काने संबंधित संदेशों का प्रसारण प्रतिबंधित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में सोशल मीडिया के प्लेटफार्मस पर साम्प्रदायिक, सामाजिक एवं जातिगत भावनाओं एवं विद्वेष को भड़काने संबंधी किसी भी प्रकार के संदेशों के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस आयुक्त ने भारतीय सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश का उल्लंघन करने वालो के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंडनीय कार्रवाई की जाएगी।

बरसते पानी में गूंजा जल संरक्षण का संदेश, बावड़ी उत्सव में लिया जल बचाने का संकल्प

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, जिला इंदौर द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के समापन अवसर पर इंदौर विकासखंड के ग्राम देव गुराड़िया स्थित प्राचीन शिव मंदिर परिसर में विकासखंड स्तरीय बावड़ी उत्सव का आयोजन किया गया। खास बात यह रही कि लगातार हो रही तेज बारिश के बावजूद ग्रामीणों, स्वयंसेवकों और जन अभियान परिषद से जुड़े कार्यकर्ताओं का उत्साह कम नहीं हुआ और कार्यक्रम पूरे उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत जल संरक्षण विषय पर आयोजित संगोष्ठी से हुई। विकासखंड समन्वयक प्रवेश शर्मा ने जल गंगा संवर्धन अभियान के उद्देश्यों और विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देते हुए कहा कि जल स्रोतों का संरक्षण, उनका पुनर्जीवन और अधिक से अधिक वृक्षारोपण समय की आवश्यकता है। उन्होंने सभी से जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की अपील की।

इसके बाद मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन एवं पवित्र जल कुंड को फूलों और दीपों से सजाकर विधि-विधान से जल स्रोत का पूजन एवं आरती की गई। उपस्थित सभी लोगों ने जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में पारंपरिक जल स्रोतों के महत्व को पुन: स्थापित करना तथा नई पीढ़ी को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में नवांकुर संस्था बिहारीलाल स्वतंत्रता सेनानी बाल विकास समिति के अध्यक्ष अरुण पांडे, वरेण्यम समाज कल्याण समिति (वीएसकेएस) के अनिल धारवा, प्रस्फुटन समिति के आनंद पटेल, नीतू चौधरी, रचना पांडे, दिनेश चौहान, मेंटर मीनाक्षी मिश्रा, शिवफूल पगारे, हरिओम दांगी, सुनील सराठे, वीरेंद्र तिवारी, सीएमसीएलडीपी के विद्यार्थी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

किरायेदारों, कर्मचारियों की जानकारी पुलिस को देना अनिवार्य

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर में कानून व्यवस्था को कायम रखने/जन सामान्य के हित/जानमाल एवं लोक शांति को बनाये रखने हेतु किरायेदारों, घरेलू कामगारों, कर्मचारियों, हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों, पेइंग गेस्ट आदि की जानकारी संबंधित थाने पर दिया जाना अनिवार्य किया गया है। इस संबंध में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं। जारी आदेश के अनुसार किरायेदारों की सूचना संबंधित मकान/दुकान मालिक द्वारा संबंधित थाने पर विहित प्रारूप में दी जाना होगी। इसके पूर्व मकान/दुकान किराये से नहीं दी जाये। साथ ही आई.डी. प्रूफ आवश्यक रूप से लिया जाये। घरेलू कामगारों एवं व्यावसायिक कर्मचारियों की सूचना भी संबंधित मालिक द्वारा थाने पर विहित प्रारूप में देना होगी। उनसे भी आई.डी.प्रूफ आवश्यक रूप से लेना होगा।

बलिदान दिवस पर किया पौधारोपण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● निषाद वंशीय आदिवासी भोई कहार माझी समाज अहिल्या पलटन क्षेत्र इन्दौर उज्जैन संभाग द्वारा समाधान निषाद एवं लोचन निषाद वीर क्रांतिकारी 1857 में अंग्रेजों को कानपुर में सतीचौरा घाट, कानपुर में क्रांति का बिगुल बजाया था।

समाधान निषाद एवं लोचन निषाद वीर को एवं साथ में निषाद समाज के 167लोगों को कच्ची फांसी पेड़ों पर खुले आम चढ़ा दिया गया था। इन वीरों के बलिदान दिवस 27 जून को समाज बंधुओं द्वारा पौधारोपण कर मनाया गया। इस अवसर पर समाज के महामहिम उमाशंकर रायकवार, हेमा कश्यप, निषाद वंशीय आदिवासी भोई कहार माझी समाज अहिल्या पलटन क्षेत्र इन्दौर उज्जैन संभाग के अध्यक्ष गणेश प्रसाद रायकवार, सुभाष रायकवार, मोहन रायकवार, सुनील रायकवार, आनंद कुमार रायकवार,जीवन रायकवार, विनोद डारिया, मनोज गौड़, विजय रायकवार,आलोक लाखन पहलवान,मोनू रायकवार, शैलू रायकवार, समाज सेवी, सचिन रायकवार, संदीप रायकवार, श्याम प्रेमराज रायकवार, संजय गड़कर, रितेश अन्नू वर्मा, मयंक श्याम रायकवार, अड्डु डारिया ,पुलो दादा आदि इस कार्यक्रम में उपस्थित, हेमाजी कश्यप उमाशंकर रायकवार जी गणेश प्रसाद रायकवार कप्तान सुभाष रायकवार मोहन रायकवार सुनील वर्मा जी ने वृक्षारोपण किया गया।

बिजली उपभोक्ता अनजान लिंक मैसेज को नजरंदाज करें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं से अधिकृत संदेश पर ही ध्यान देने व अनजान मोबाइल नंबर से आए संदेशों, फाइल, वाट्सएप फाइल को लेकर अत्यंत सावधानी रखने की अपील की हैं। कंपनी ने कहा कि कंपनी वाट्सएपर बिल किसी नंबर की बजाए mppkvvcl indore नाम से और अधिकृत एसएमएस mpsebw-S नाम से भेजती हैं, इसी तरह के मैसेज पर ध्यान दिया जाए। अन्य नंबरों से आए मैसेज, वाट्सएप व APK फाइल को पूरी तरह फर्जी मानकर नजरंदाज किया जाए। फर्जी संदेश, लिंक, APK फाइल से आपका मोबाइल तुरंज हैक हो जाएगा, मोबाइल की कमांड फर्जी व्यक्तियों के पास तुरंत पहुंचा जाएगी, व आपका बैंक बैलेंस, डाटा चुरा लिया जाएगा। कंपनी ने सम्माननीय उपभोक्ताओं से सतर्क रहना का विनम्र निवेदन किया हैं। कंपनी ने कहा कि आप अपने बिजली बिल जोन , वितरण केंद्र, पेटीएम, फोन पे, गुगल पे, भारत पे, कंपनी वेबसाइट mpwz.co.in, URJAS एप के माध्यम से जमा कर सकते हैं। किसी नंबर विशेष पर कभी भी भुगतान नहीं किया जाए।--

सूर्यघर योजना में दी 416 करोड़ की सब्सिडी-पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र में अब तक 74 हजार से ज्यादा स्थानों पर रूफ टॉप सोलर संयंत्र लग चुके हैं। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र मे संयंत्र लगाने वाले उपभोक्ताओं को अब तक 416 करोड़ रूपए से अधिक की सब्सिडी वितरित की जा चुकी हैं। योजना में प्रति घरेलू उपभोक्ता रूफ टॉप सोलर नेट मीटर स्थापित करने पर अधिकतम 78 हजार रूपए की सब्सिडी डीबीटी से प्रदान की जाती हैं।

सड़क सुरक्षा को लेकर हेलमेट और सीट बेल्ट पर रहेगा विशेष फोकस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और जनहानि रोकने के उद्देश्य से जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित सड़क सुरक्षा समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति श्री अभय मनोहर सप्रे की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, डीसीपी ट्रैफिक राजेश त्रिपाठी, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, स्मार्ट सिटी के सीईओ अर्थ जैन, अपर आयुक्त नगर निगम आकाश सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। न्यायमूर्ति सप्रे ने सड़क सुरक्षा के सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं की गहन समीक्षा की। इसमें ब्लैक स्पॉट्स पर किए गए सुधार कार्य, चालानी कार्रवाई, हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग की स्थिति, आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था और सड़क सुरक्षा शिक्षा जैसे विषय शामिल रहे।

बॉम्बे हॉस्पिटल-तुलसी नगर मार्ग पर धंसी सड़क बनी हादसों का कारण

रहवासियों ने प्रशासन से की तत्काल मरम्मत की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर के व्यस्ततम मार्गों में शामिल बॉम्बे हॉस्पिटल-तुलसी नगर रोड पर चिल्ली चटनी रेस्टोरेंट के सामने सड़क का एक हिस्सा करीब दो से तीन फीट तक धंस गया है। सड़क के बीच बने इस गहरे गड्ढे ने राहगीरों और वाहन चालकों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं की गई तो यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

राधिका पैलेस कॉलोनी के निवासी रूपेश शर्मा के अनुसार, पिछले वर्ष नगर निगम ने इसी स्थान पर वर्षा जल निकासी के लिए स्टॉर्म वॉटर लाइन बिछाई थी। लेकिन निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सड़क की समुचित मरम्मत और कंक्रीटिंग नहीं की गई। इसका परिणाम यह है कि हर वर्ष बरसात के दौरान इस हिस्से में पानी जमा हो जाता है और सड़क की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है।

रहवासियों का कहना है कि कुछ समय पूर्व सड़क का यह हिस्सा धंसकर गहरे गड्ढे में तब्दील हो गया, लेकिन अब तक नगर निगम और इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा इसकी मरम्मत के लिए कोई पहल नहीं की गई है।

तुलसी नगर निवासी राजेश तोमर, राकेश जायसवाल और अमोल पाटिल ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यह मार्ग प्रतिदिन हजारों लोगों द्वारा उपयोग किया जाता है। ऐसे में सड़क का धंसा हुआ हिस्सा गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकता है। उन्होंने संबंधित विभागों से जनहित में शीघ्र मरम्मत कार्य प्रारंभ कराने की अपील की है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बरसात के मौसम में स्थिति और भी खतरनाक हो सकती है, क्योंकि पानी भरने से गड्ढे की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाती है।

चिन्हित दवाइयों का विक्रय केवल रजिस्टर्ड मेडिकल पर ही होगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम/जनसामान्य के स्वास्थ्य हित/जानमाल एवं लोक शांति को बनाये रखने हेतु पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने इन्दौर नगर (मेट्रोपोलिटन) की सीमा में चिन्हित दवाइयों का विक्रय केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर के लिखित प्रिस्क्रिप्शन पर ही करने के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं। जारी आदेश के अनुसार समस्त नाईट्राजेपाम टेबलेट्स (समस्त नाईट्रावेट टेबलेट्स), समस्त क्लोनेजेपाम टेबलेट्स, समस्त डायजेपाम टेबलेट्स, समस्त ऑक्साजीपाम टेबलेट्स,समस्त इटिजोलाम टेबलेटस,समस्त एल्प्राजोलम टेबलेटस, समस्त कोडीन फास्फेट सिरप / टेबलेटस, क्लोजापाम टेबलेटस (फीजीयम टेबलेट आदि) का विक्रय केवल रजिस्टर्ड मेडिकल प्रेक्टिशनर के लिखित प्रिस्क्रिप्शन पर ही किया जायेगा।

गैस पाइपलाइन ब्लास्ट में झुलसे 3 लोगों ने भी ली हाईकोर्ट की शरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में पिछले दिनों बोरिंग खुदाई के दौरान अवंतिका गैस पाइप लाइन में ब्लास्ट हो गया था। हादसे में झुलसी कंटेंट क्रिएटर गिरी राजकुमारी उर्फ जिनी झाला के मामले में सोमवार को मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच में सुनवाई हुई। हादसे में झुलसे लोग बॉम्बे हॉस्पिटल में एडमिट हैं, उनकी ओर से भी इंटरविनर के रूप में वकीलों ने कोर्ट में आवेदन लगाया है। जिसमें बताया है कि हॉस्पिटल से हमें जल्दी डिस्चार्ज किया जा रहा है। हमारा भी समुचित इलाज होना चाहिए ताकि इन्फेक्शन का खतरा न रहे।

हादसे में घायल गोपाल मालाकार (10-15%) और सुभाष ठाकुर (10-12% झुलसे) में हैं। जबकि एक अन्य भी झुलसा है। दूसरी ओर याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट श्रवण कुमार लाहोटी ने बताया कि जिनी को अहमदाबाद एयरलिफ्ट करने के बाद उसका इलाज जारी है। मामले में पुलिस ने पुलिस ने ठेकेदार और बोरिंग वाहन के ड्राइवर पर केस दर्ज किया है जबकि जिसने बोरिंग के लिए बुलवाया था उसके खिलाफ नहीं की गई है। सुनवाई में नगर निगम की ओर से रिपोर्ट पेश नहीं की गई लेकिन मौखिक रूप बताया गया कि इसमें निगम की किसी अधिकारी का दोष नहीं है।

एक साथ 12 उद्यानिकी फसलों को मिला जी आई टैग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश ने इतिहास बनाते हुए एक साथ 12 उद्यानिकी फसलों के लिए जी आई टैग हासिल करने में सफलता हासिल की है। देश में यह पहली बार हुआ है जब एक साथ इतनी बड़ी संख्या में जीआई टैग मिला है। इनमें गुना का धनिया, नरसिंहपुर बरमान घाट का बेंगन, बैतूल गजरिया आम, खरगौरी की लाल मिर्च, मांडू की खुरसानी इमली, जबलपुर का मटर, सिवनी का सीताफल, मालवी आलू और गराडू, नरसिंहपुर गुड, जबलपुर सिंघाड़ा, आलीराजपुर का नूरजहां आम, बुरहानपुर का केला, इंदौरी जीरावन, रतलाम सैलाना बालम ककड़ी और छतरपुर का पान शामिल है। इसके अलावा उज्जैन की इमली, आलीराजपुर का अचारी आम, मालवा का सफेद प्याज, झाबुआ का दाल पानिया, मंदसौर का देशी जीरा, बुरहानपुर की जलेबी, अशोक नगर की खिरनी को जी आई टैग दिलवाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है।

प्रॉपर्टी कारोबारी ने दी जान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के पास खुड़ैल क्षेत्र में रहने वाले एक प्रॉपर्टी कारोबारी ने कर्ज से परेशान होकर सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली। कारोबारी का शव मंगलवार शाम पिपलादा स्थित हनुमान मंदिर के पीछे कुएं के पास मिला। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके से मिले सुसाइड नोट के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

खुड़ैल पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान बहादुर सिंह (45) पुत्र अतरसिंह परिहार निवासी ग्राम शिवनी के रूप में हुई है। बहादुर सिंह खुड़ैल क्षेत्र के बड़े प्रॉपर्टी कारोबारी थे। परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं, जबकि अन्य परिजन अलग रहते हैं। पुलिस के मुताबिक बहादुर सिंह मंगलवार सुबह करीब 5 बजे घर से निकल गए थे। करीब 11:30 बजे उन्होंने कुछ दोस्तों को मैसेज किए, जिसमें उन्होंने कर्ज नहीं चुका पाने की बात लिखी और जीवन समाप्त करने की जानकारी दी। मैसेज मिलते ही दोस्तों ने उन्हें कॉल करना शुरू किया और तलाश में जुट गए। लेकिन शाम को उनका शव हनुमान मंदिर के पास मिला।

बहादुर सिंह ने सुसाइड नोट में लिखा कि वह अपनी मर्जी से यह कदम उठा रहे हैं। उन्होंने परिवार के लोगों को परेशान नहीं करने की अपील की। नोट में लिखा कि उनका परिवार काफी सुखी था, लेकिन भगवान को कुछ और मंजूर था। उन्होंने अपनी मौत का कारण सिर्फ कर्ज को बताया। उन्होंने लिखा कि वह कर्ज से काफी परेशान हो चुके हैं और अब जीवन समाप्त करना ही उचित समझ रहे हैं। उन्होंने यह भी लिखा कि परिवार को इस बात का आभास नहीं था कि ऐसा कुछ होने वाला है। डायरी में पूरे लेन-देन और हिसाब-किताब की जानकारी लिखी है, जो परिवार को मिल जाएगी।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

इंदौर, बुधवार 01 जुलाई 2026

न्यूज़ ब्रीफ

भारतीय नागरिक संहिता की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने भारतीय नागरिक संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर इंदौर नगरीय सीमा में सांप्रदायिक तनाव और समुदायों के बीच में उत्पन्न करने वाले किसी भी आयोजन और अन्य गतिविधियों को करने पर प्रतिबंध लगाया है। आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के अंतर्गत दंडनीय कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश आगामी 25 अगस्त 2026 तक लागू रहेगा। जारी प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुसार इन्दौर नगरीय सीमा के अन्दर किसी भी समुदाय के व्यक्ति द्वारा दूसरे समुदाय की भावनाओं के विपरीत ऐसा कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जायेगा, जिससे शांति भंग होने की आशंका हो और न ही दूसरे समुदाय के धार्मिक भावनाओं के विरूद्ध किसी प्रकार का उत्तेजनात्मक भाषण दिया जायेगा और न ही सोशल मीडिया के माध्यम से गलत सूचना एवं अफवाहें फैलाई जायेगी। कोई भी व्यक्ति किसी खुले स्थान पर अथवा मकानों की छतों पर ईंट, पत्थर, सोडावाटर की बोतल या अन्य कांच की बोतल, ज्वलनशील पदार्थ अथवा कोई विस्फोटक सामग्री जमा नहीं करेगा और न रखेगा, जिसका प्रयोग आतंक उत्पन्न करने अथवा किसी हिंसात्मक गतिविधियों में किया जा सके। इन्दौर नगरीय पुलिस जिला की सीमा के अन्दर कोई भी व्यक्ति ऐसा कोई अनुचित मुद्रण/प्रकाशन नहीं करेगा, जिससे साम्प्रदायिक तनाव अथवा समुदायों के बीच वैमनस्य उत्पन्न हो।

बस स्टैंड पर सीसीटीवी कैमरे लगे हर गतिविधि पर रहेगी नजर

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नगर के मुख्य बस स्टैंड की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए खाचरौद पुलिस चौकी के सहयोग से बस स्टैंड पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कैमरे शुरू होने के बाद अब बस स्टैंड पर आने-जाने वाले हर व्यक्ति की निगरानी हो सकेगी। हर गतिविधि रिकॉर्ड होगी। बस स्टैंड पर रोज बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही रहती है। चोरी की घटनाएं होती हैं। विवाद की स्थिति बनती है। अन्य आपराधिक घटनाओं का खतरा रहता है। ऐसे में सीसीटीवी कैमरे रोकथाम में मदद करेंगे। संदिग्ध गतिविधि या घटना होने पर रिकॉर्डिंग पुलिस जांच में अहम साक्ष्य देगी। खाचरौद चौकी प्रभारी सूरज सिंह परिहार ने बताया कि आधुनिक तकनीक से अपराध पर प्रभावी नियंत्रण प्राथमिकता है। आमजन को सुरक्षित माहौल देना लक्ष्य है। कैमरे लगने से असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगेगा। कानून व्यवस्था बनाए रखने में आसानी होगी। स्थानीय व्यापारियों ने पहल की सराहना की। यात्रियों ने भी समर्थन किया।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

दैनिक इंदौर संकेत

ग्वालियर ● लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान बसपा प्रत्याशी देवाशीष जरारिया पर भाजपा से सांठगांठ और लेनदेन के आरोप लगाने के मामले में मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ ग्वालियर की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। कोर्ट ने भिंड पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए हैं कि अगली सुनवाई पर पटवारी की कोर्ट में उपस्थिति हर हाल में सुनिश्चित कराई जाए। सुनवाई के दौरान अदालत ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, 'जब जीतू पटवारी के बयान और राजनीतिक गतिविधियां हर जगह दिखाई दे रही हैं, तो पुलिस उन्हें ढूंढ क्यों नहीं पा रही?' मामले की अगली सुनवाई 27 जुलाई को होगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भिंड से बसपा प्रत्याशी देवाशीष जरारिया पर बीजेपी से सांठगांठ के आरोप लगाए थे।

चुनावी सभा में लगाए थे गंभीर आरोप

मामला 27 अप्रैल 2024 का है। लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान जीतू पटवारी भिंड जिले के दौरे पर थे। उन्होंने भिंड-दतिया लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी फूल सिंह बरैया के समर्थन में ऊमरी कस्बे में चुनावी सभा को संबोधित किया था। सभा के दौरान पटवारी ने कांग्रेस छोड़कर बसपा में शामिल हुए और भिंड-दतिया से बसपा प्रत्याशी बने देवाशीष जरारिया पर बिना तथ्यों के सांठगांठ लेनदेन करने और भाजपा से सांठगांठ करने के आरोप लगाए। आरोप है कि इस दौरान उन्होंने तू-तड़ाक की भाषा का भी इस्तेमाल किया, जिसे लेकर जरारिया ने आपत्ति जताई।

शिकायत के बाद दर्ज हुई थी एफआईआर

देवाशीष जरारिया की शिकायत पर 4 मई 2024 को भिंड के उमरी थाने में जीतू पटवारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। इसी मामले में कोर्ट ने उन्हें 16 जनवरी 2026 को पेश होने का नोटिस जारी किया था, लेकिन वे अदालत में उपस्थित नहीं हुए। सुनवाई के दौरान पुलिस ने अदालत को बताया कि जीतू पटवारी का पता नहीं चल सका। इस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब वे लगातार मीडिया और सार्वजनिक कार्यक्रमों में नजर आ रहे हैं, तो पुलिस उन्हें तलाशने में असफल कैसे है। इसके बाद अदालत ने भिंड एसपी को निर्देश दिए कि 27 जुलाई को अगली सुनवाई में पटवारी की मौजूदगी हर हाल में सुनिश्चित की जाए। थाने में दर्ज एफआईआर के मुताबिक, बसपा प्रत्याशी देवाशीष जरारिया ने निर्वाचन अभिकर्ता ने शिकायत के साथ चुनावी सभा की वीडियो सीडी भी सौंपी थी। पुलिस ने वीडियो का परीक्षण करने के बाद एफआईआर में उल्लेख किया कि सभा को संबोधित करते हुए जीतू पटवारी ने कहा था कि 'वह (देवाशीष जरारिया) बीजेपी से माल लाए हैं' और उन पर भाजपा से सांठगांठ के आरोप लगाए थे। एफआईआर के अनुसार, पटवारी ने यह भी कहा था कि 'एक वोट उधर गया यानी आपने बीजेपी में डाला' और मतदाताओं से बसपा को वोट न देने की अपील की थी। शिकायतकर्ता का आरोप है कि पटवारी ने बिना तथ्यों के गंभीर आरोप लगाए और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया।

कांग्रेस की नई कार्यकारिणी पर उठे सवाल, सूची जारी होते ही दो पदाधिकारियों ने दिया इस्तीफा

दैनिक इंदौर संकेत

ग्वालियर ● शहर जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी घोषित होते ही संगठन में असंतोष खुलकर सामने आ गया है। कार्यकारिणी की सूची जारी होने के कुछ ही समय बाद दो नवनियुक्त पदाधिकारियों ने अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। दोनों नेताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी, जिसके बाद कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति चर्चा में आ गई है। नई कार्यकारिणी में लतीफ खान को 47वें क्रम पर सचिव बनाया गया था। नियुक्ति के कुछ ही समय बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सचिव पद से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया। उन्होंने लिखा, 'शहर जिला कांग्रेस कमेटी में स्वाभिमान से समझौता नहीं। नवनियुक्त सचिव पद से अपना इस्तीफा देता हूं। माननीय अध्यक्ष जीतू पटवारी जी का धन्यवाद।' उन्होंने यह भी बताया कि इस्तीफा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को भेजा जा रहा है। कार्यकारिणी में प्रतीक जैन को 26वें क्रम पर महासचिव बनाया गया था। उन्होंने भी सोशल मीडिया के जरिए पद छोड़ने की घोषणा कर दी। प्रतीक जैन ने लिखा, 'मुझे महासचिव पद की जिम्मेदारी देने के लिए वरिष्ठ नेतृत्व का आभार। मैं कांग्रेस का निष्ठावान कार्यकर्ता हूं। मुझे किसी पद की लालसा नहीं है, इसलिए मैं अपने पद से इस्तीफा देता हूं।' नई कार्यकारिणी घोषित होते ही दो पदाधिकारियों के इस्तीफे से ग्वालियर कांग्रेस में हलचल बढ़ गई है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि नियुक्ति के तुरंत बाद नेताओं के पद छोड़ने के पीछे वरिष्ठता और संगठनात्मक असंतोष की वजह हो सकती है। फिलहाल दोनों इस्तीफों पर कांग्रेस संगठन की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। अब नजर इस बात पर है कि पार्टी नेतृत्व इस्तीफे स्वीकार करता है या नाराज नेताओं को मनाने की कोशिश करेगा।

उप निरीक्षक एवं अलीराजपुर के प्रभारी टी आई रहे पन्नालाल चौहान सेवानिवृत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पुलिस विभाग में उप निरीक्षक एवं अलीराजपुर के प्रभारी टी आई रहे पन्नालाल चौहान 30 जून को सेवानिवृत हो गए। मंगलवार को एसपी ऑफिस इंदौर में आयोजित विदाई समारोह में उप निरीक्षक श्री पन्नालाल चौहान को पुलिस अधीक्षक ग्रामीण राजेंद्र कुमार वर्मा ने प्रशंसा पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया। विभागीय विदाई समारोह में पन्नालाल चौहान के परिवार एवं इष्ट मित्रों ने भी उनका जोरदार स्वागत कर बधाई दी।

मध्यप्रदेश पुलिस विभाग अंतर्गत पूर्व में श्री चौहान ने क्राइम ब्रांच, नारकोटिक्स आदि शाखाओं में लगातार कई वर्षों तक अपनी सेवाएं दी। आपके द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए आपको अनेक बार स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र पर्व पर सम्मानित भी किया गया।

स्वागत करने वालों में शिक्षक संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार, शिक्षक महेंद्र भारद्वाज, दिनेश अग्रावत सहित आपके बड़े पुत्र राकेश चौहान, दिनेश राजोरिया, मनोज चौहान, संजय राठौर सहित सैकड़ों साथी उपस्थित थे।

यशिका जाधव को इंदौर में हुआ सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

सांवेर ● शासकीय अधिकारी कर्मचारीमंच इंदौर के द्वारा कर्मचारियों के प्रतिभावान बालक बालिकाओं का सम्मान समारोह 2026 के आयोजन में कुमारी याशिका जाधव पिता नवीन राव जाधव कक्षा बारहवीं जीव विज्ञान संकाय में 92% प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर म प्र तृतीय वर्ग कर्म संघ के प्रांतीय महामंत्री हरीश बोयत जी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिलाधीश महोदय शिवम वर्मा द्वारा 10000 रु की राशि एवं प्रमाणपत्र अहिल्याबाई की मूर्ति शील्ड प्रदान की गई इस अवसर पर सांवेर ब्लॉक के पदाधिकारी रवि चौबे कुमारेश जौहरी भेरुलाल लोबानिया उपस्थित रहे साथ ही पी एम श्री शा कन्या उ मा विद्यालय सांवेर के प्राचार्य पी डी सरवैया उप प्राचार्य संजय घोड़ेला ने बालिका के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

2.86 लाख लोगों के बायोमेट्रिक लॉक री-ईकेवाईसी राशन नहीं मिलेगा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●कंट्रोल दुकानों से राशन लेने वाले जिले के 12.20 लाख हितग्राहियों में से 2.86 लाख के बायोमेट्रिक लॉक हो गए। इन्हें अब राशन दुकानों पर पहुंचकर पीओएस मशीन में फिर री-ईकेवाईसी कराना पड़ेगा। ऐसा नहीं करने वालों को बाद में राशन नहीं मिल सकेगा। बायोमेट्रिक लॉक होने के पीछे अफसरों का तर्क है कि इन लोगों ने 4-5 सालों से बायोमेट्रिक का उपयोग नहीं किया। साथ ही कई हितग्राहियों के आधार अपडेट हो गए हैं। ऐसे 2 लाख 86 हजार 508 हितग्राही हैं। अब इनकी फिर से री-ईकेवाईसी कराना अनिवार्य हो गया है। इसे लेकर अब अधिकारियों की चिंता भी बढ़ गई है, क्योंकि लॉक हो चुके बायोमेट्रिक वालों का री-ईकेवाईसी नहीं हो सका तो उन्हें राशन देना बंद करना पड़ेगा और राशन बंद करते ही हंगामे की नौबत बन सकती है।

सेवानिवृत्त होने पर दी समारोह में विदाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मप्र राज्य विद्युत मंडल, मप्रपक्षेविकं में दशकों तक सेवाएं देने वाले कार्मिक श्री रामबालक यादव, उमाकांत गौर को सेवानिवृत्त होने पर मंगलवार शाम प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह, मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान की मौजूदगी में भावभीनी विदाई दी गई। इधर एनएबीएल परीक्षण प्रयोगशाला में अभियंता श्री दीपक कुमार मिश्रा को सीईओ एसआर बमनके, सीए ठकार आदि की उपस्थिति में विदाई दी गई।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रार्पटी व्यवसाय से जुड़े है या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हो तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर

संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

पुलिस नशे की लिंक तलाशने जाएगी प्रतापगढ़, कैमरे के सामने चुप्पी साध लेता है नशे का सौदागर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नशे के सौदागर चेतन नाथ की लिंक तलाशने के लिए पुलिस प्रतापगढ़ जाएगी। दबिश के दौरान मौके से फरार हुए इसकी साथी की भी तलाश में भी टीम लगी हुई है। हालांकि, नशे का यह सौदागर इतना शातिर है कि कैमरे के सामने कुछ नहीं बोलता है। पुलिस को भी जानकारी निकालने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाने पड़ रहे हैं। दरअसल, सोमवार को द्वारकापुरी पुलिस ने चेतन नाथ को बैक ट्रेकिंग कर पकड़ा था। पुलिस ने पिछले दिनों लकी नाथ को पकड़ा था। जिससे मिली जानकारी के बाद पुलिस चेतन नाथ तक पहुंची थी। चेतन के कमरे की तलाशी में पुलिस को 19 लाख रुपए नकद, नोट गिनने की मशीन, 270 ग्राम ब्राउन शुगर, 8 किलो गांजा मिला था। चेतन 2 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर है। पुलिस को ये जानकारी मिली थी यह अपना कारोबार चलाने के दौरान सप्लायर और सप्लाई करने वालों से सोशल मीडिया के माध्यम से वाइस कॉल पर बात करता था। पुलिस को उसके मोबाइल से कॉन्टैक्ट नंबर भी नहीं मिले हैं। इधर, पुलिस को टेलीग्राम और अन्य सोशल मीडिया से मिली जानकारी के आधार पर प्रतापगढ़ की लिंक निकाल रही है। द्वारकापुरी टीआई मनीष मिश्रा ने बताया कि पूछताछ में ये जानकारी सामने आई है कि वह नशे का सामान प्रतापगढ़ से लेकर आता था। इसकी प्रतापगढ़ की लिंक निकाली जा रही है, जल्द ही एक टीम प्रतापगढ़ भी जाएगी। बताया जा रहा है कि टीम वहां के सप्लायर को भी ट्रेस करेगी। टीआई ने बताया कि चेतन नाथ काफी शातिर है। वह कैमरे के सामने कुछ नहीं बोलता है। वह काफी समय जेल में रहा है और शातिर है। उससे जानकारी निकलवाने के लिए पुलिस भी अलग-अलग तरीके अपना रही है।

ईशान शर्मा ने आचार्य डिग्री प्रदेश में मेरिट में प्राप्त की

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● श्री चौबीस अवतार मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित राजेश शास्त्री के पुत्र ईशान शर्मा ने महर्षि पाणिनी संस्कृत वेदिक विश्वविद्यालय से आचार्य एम.ए. की डिग्री प्राप्त की उन्होंने प्रदेश में प्रथम दस में स्थान प्राप्त किया। कॉलेज परिसर में आयोजित समारोह में राज्यपाल डॉ. मंगू भाई पटेल के हाथों उन्होंने यह उपाधि प्राप्त की। इस अवसर पर कुलगुरु डॉ.शिवशंकर मिश्र एवं अतिथियों ने पंडित ईशान शर्मा का सम्मान किया। उनकी इस उपलब्धि पर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विधायक मनोज पटेल, सचिव चिंटू वर्मा, नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष संतोष ठाकुर, प्रेस क्लब संरक्षक संतोष जोशी, अशोक सोनी, पीयूष विजयवर्गीय, जेपी नागर ने बधाई दी।

सम्पादकीय

एसी अब सुविधा ही नहीं, खतरा भी! बढ़ते विस्फोटों ने बहुमंजिला इमारतों की सुरक्षा पर उठाए सवाल

नोएडा की बहुमंजिला इमारत में एसी विस्फोट के बाद आग लगने की घटना ने भवन सुरक्षा, फायर सेफ्टी और दमकल व्यवस्था की तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आज के समय में एयर कंडीशनर (एसी) को विलासिता की वस्तु के बजाय रोजमर्रा की जरूरत के सामान की तरह देखा जाने लगा है। मगर घर और कमरे के तापमान को ठंडा रखने की यह सुविधा अब जोखिम का सबब बनती जा रही है। हाल के वर्षों में एसी में विस्फोट से आग की घटनाएं एक गंभीर खतरे के रूप में उभरकर सामने आई हैं। ऐसी ही एक घटना उत्तर प्रदेश में नोएडा के सेक्टर-119 में सोमवार को सामने आई, जहां एक इमारत की इक्कीसवीं मंजिल पर स्थित फ्लैट में एसी में धमाका होने से आग लग गई। हालांकि, इस हादसे में किसी की जान नहीं गई, लेकिन इसने बहुमंजिला इमारतों में आपात स्थिति में सुरक्षा प्रबंधों पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। इतनी ऊंची इमारत में आग बुझाने में दमकल कर्मियों को कई घंटे लग गए। ऐसे में इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि विभागीय तैयारियों को मौजूदा चुनौतियों के लिहाज से गहन समीक्षा किए जाने की जरूरत है। गौरतलब है कि पिछले दो माह के भीतर देश भर में एसी में विस्फोट से आग की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें संपत्ति के साथ मानवीय क्षति भी हुई है। खबरों के मुताबिक, इस अवधि में नोएडा में ही अब तक डेढ़ सौ से ज्यादा ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। एसी में विस्फोट के कई कारण हो सकते हैं। मसलन, लगातार चलाने से कंप्रेसर पर अत्यधिक दबाव, गैस का रिसाव या फिर एसी से जुड़े बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट से भी आग लगने का खतरा बना रहता है। फिर एसी की गुणवत्ता में गिरावट भी एक अहम सवाल है। ऐसी घटनाओं में जान-माल का नुकसान न हो, इसके लिए इमारतों में सुरक्षा के पर्याप्त बंदोबस्त होने चाहिए। मगर यह अफसोसनाक है कि इस ओर न तो शासन-प्रशासन और न ही भवन निर्माताओं का ध्यान जाता है। यही नहीं, दमकल विभाग में संसाधनों का अभाव भी किसी से छिपा नहीं है। इसका ताजा उदाहरण नोएडा में हुए हादसे के दौरान देखने को मिला, जब दमकल गाड़ियों से पानी की बौछार तेरहवीं मंजिल से ऊपर नहीं पहुंच सकी। जाहिर है कि ऐसे खतरों से निपटने के लिए व्यवस्था को हर स्तर पर अधिक सक्षम, आधुनिक और चाक-चौबंद बनाने की आवश्यकता है।

प्रसंगवश - 01 जुलाई: राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस

चिकित्सक: जो इतिहास नहीं लिखते, जिंदगियाँ लिखते हैं

जीवन जब मृत्यु की चौखट पर डगमगाने लगता है, तब उम्मीद किसी दवा में नहीं, एक चिकित्सक की आँखों में दिखाई देती है। किसी माँ का विश्वास इसलिए नहीं टूटता कि उसे पता है-अस्पताल के भीतर कोई उसके बच्चे की हर साँस के लिए लड़ रहा है। किसी वृद्ध पिता की प्रार्थना इसलिए जीवित रहती है कि सफेद कोट पहने कोई हाथ अभी हार मानने को तैयार नहीं। उस क्षण मशीनों की आवाज़ें, दवाइयों की शीशियों और रिश्तों की भीड़ सब धुंधली पड़ जाती हैं; केवल एक चेहरा दिखाई देता है—चिकित्सक का। उसके लिए बिस्तर पर लेटा व्यक्ति केवल मरीज नहीं, किसी परिवार की पूरी दुनिया होता है। इसलिए वह समय, थकान और अपने सुख-दुख से ऊपर उठकर जीवन बचाने की अंतिम लड़ाई लड़ता है। शायद इसी निस्वार्थ तप ने चिकित्सक को पेशेवर नहीं, मानवता का मौन प्रहरी बनाया है। एक जुलाई का राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस इसी अनकहे समर्पण के प्रति समाज की विनम्र कृतज्ञता का दिवस है।

हर पेशे की अपनी विरासत होती है, लेकिन चिकित्सा की विरासत सेवा और समर्पण से लिखी जाती है। भारत में राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस भारत रत्न डॉ. बिधान चंद्र रॉय की स्मृति को समर्पित है, जिनका जन्म और महाप्रयाण दोनों एक जुलाई को हुआ। उन्होंने सिद्ध किया कि चिकित्सा केवल रोगों का उपचार नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का सशक्त माध्यम है। चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य संस्थानों और जनस्वास्थ्य को नई दिशा देकर उन्होंने भारतीय स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत नींव रखी। उनका विश्वास था कि एक चिकित्सक केवल शरीर ही नहीं, व्यवस्था की कमजोरियों का भी उपचार कर सकता है। यही कारण है कि आज भी उनका आदर्श हर उस डॉक्टर के लिए प्रेरणास्रोत है, जो मरीज की मुस्कान को अपनी सबसे बड़ी सफलता मानता है।

भारत में डॉक्टर होना केवल पेशा नहीं, हर दिन एक नई चुनौती से मुकाबला करना है। विशाल आबादी, सीमित संसाधन और असमान स्वास्थ्य ढाँचे के बीच लाखों मरीज प्रतिदिन चिकित्सकों पर भरोसा करते हैं। डॉक्टरों की संख्या बढ़ी है, फिर भी ग्रामीण भारत आज भी गंभीर कमी से जूझ रहा है। अनेक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संसाधनों, आधुनिक उपकरणों और पर्याप्त स्टाफ के अभाव में संचालित हो रहे हैं। ऐसी कठिन परिस्थितियों में भी चिकित्सक अपने ज्ञान, अनुभव और संवेदना के बल पर अनगिनत जिंदगियों को नया जीवन दे रहे हैं। यही निस्वार्थ समर्पण उन्हें केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज का सच्चा जीवन-प्रहरी बनाता है।

इतिहास गवाह है-जब पूरी दुनिया ठहर जाती है, तब चिकित्सक कदम पीछे नहीं, आगे बढ़ाते हैं। कोविड-19 महामारी इसका सबसे बड़ा प्रमाण बनी। जब लोग संक्रमण के भय से घरों में कैद थे, तब डॉक्टर अस्पतालों में हर जीवन के लिए मोर्चा संभाले खड़े थे। उन्होंने परिवार, त्योहार और अपनी सुरक्षा तक की परवाह नहीं की। भारतीय चिकित्सा संघ के अनुसार, सेवा करते हुए अनेक चिकित्सकों ने अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। वे ऐसे अनाम नायक हैं, जिनके नाम भले स्मारकों पर न लिखे जाएँ, लेकिन जिनके त्याग से लाखों घर आज भी आबाद हैं। महामारी ने सिद्ध कर दिया कि चिकित्सक केवल इलाज नहीं करते, वे निराशा के सबसे घने अंधकार में भी उम्मीद की लौ जलाए रखते हैं।

तकनीक चिकित्सा की रफ्तार बढ़ा सकती है, लेकिन उपचार की आत्मा आज भी इंसानियत में बसती है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक सर्जरी, जीन थेरेपी और टेलीमेडिसिन ने स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊँचाइयाँ दी हैं। भारत में करोड़ों लोग डिजिटल माध्यम से चिकित्सा परामर्श ले रहे हैं और अस्पताल आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित हो रहे हैं। फिर भी सबसे भरोसेमंद औज़ार आज भी चिकित्सक की संवेदना है। मशीनें रिपोर्ट पढ़ सकती हैं, दर्द नहीं; कृत्रिम बुद्धिमत्ता बीमारी पहचान सकती है, लेकिन आँखों में छिपा भय नहीं। कई बार डॉक्टर का आश्वस्त स्पर्श और भरोसे से भरे दो शब्द उन दवाओं से अधिक प्रभाव छोड़ जाते हैं, जिन्हें विज्ञान ने वर्षों की साधना से विकसित किया है।

सबसे बड़ी विडंबना यही है कि जो जीवन बचाता है, वही कई बार असुरक्षित खड़ा दिखाई देता है। जिस चिकित्सक से समाज हर संकट में चमत्कार की उम्मीद करता है, उसे अक्सर अविश्वास, दुर्व्यवहार और हिंसा सहनी पड़ती है। भारतीय चिकित्सा संघ के सर्वेक्षण इस कड़वी सच्चाई की पुष्टि करते हैं। लंबी ड्यूटी, मानसिक दबाव और जीवन-मृत्यु के कठिन निर्णयों के बीच काम करने वाला डॉक्टर भी आखिर एक संवेदनशील इंसान है। उसके भी अपने परिवार, भावनाएँ और सीमाएँ हैं। यदि स्वस्थ भारत का सपना साकार करना है, तो चिकित्सकों की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। क्योंकि जितना सुरक्षित और सम्मानित चिकित्सक होगा, उतनी ही मजबूत देश की स्वास्थ्य व्यवस्था होगी।

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि समाज के अंतर्मन को झकझोरने वाला आत्ममंथन है। यह हमें याद दिलाता है कि अस्पताल केवल ईंट-पत्थरों से नहीं, चिकित्सकों के त्याग, धैर्य और करुणा से जीवित रहते हैं। उनके बिना आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी निष्प्राण है। इसलिए इस एक जुलाई को केवल शुभकामनाओं तक सीमित न रहें। अपने विश्वास, सम्मान और संवेदनशील व्यवहार से उन हाथों को संबल दें, जो हर दिन अनगिनत अनजान जिंदगियों के लिए ईश्वर का दायित्व निभाते हैं। क्योंकि जब तक उम्मीद टूटने लगती है, तब भी एक चिकित्सक की आँखों में विश्वास की लौ जलती रहती है। और जब तक यह लौ प्रज्वलित है, तब तक मानवता सुरक्षित है।

कृति आरके जैन
बड़वानी (मप्र)

राम मंदिर को मंत्रालय मत समझिए

एक और पेपर लीक, एक और परीक्षा रद्द। महाराष्ट्र में टीईटी का पेपर ऐसे समय लीक हुआ जब नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर सख्त कार्रवाई के दावे किए जा रहे हैं। व्यापमं घोटाले से यदि सबक लिया होता तो शायद बच्चों के भविष्य के साथ यूं खिलवाड़ नहीं देखना पड़ता। यह गजब संयोग है कि जनता को बांधे रखने के लिए बीजेपी ने अपने राजनीतिक एजेंडे में जो तीन कोर मुद्दे रखे हैं, इस वक्त तीनों ही चुनौती बने हुए हैं। परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं, युवा वर्ग में निराशा है। रामलला के मंदिर से चढ़ावा चोरी हो गया, श्रद्धालुओं में गुस्सा है। साल भर से अधिक समय बीत जाने के बाद ऑपरेशन सिंदूर में छह जवानों की शहादत स्वीकार की गई। इसे लेकर भी सवाल हैं।

29 जुलाई 2025 को लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी भारतीय सैनिक को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। जब शहीद जवानों के नाम सार्वजनिक हुए तब सवाल उठे। इसके बाद सरकार की ओर से 27 जून 2026 को जवाब आया कि रक्षा मंत्री के बयान को चुनिंदा रूप से उद्धृत किया गया है और उसके संदर्भ को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। रक्षा मंत्रालय की सफाई के बाद यह समझना मुश्किल हो रहा है कि क्या युद्ध में पायलट और जवान को अलग-अलग नजरिए से देखा जाता है? क्या पायलट के अलावा किसी जवान का शहीद होना नुकसान की श्रेणी में नहीं आता? बहरहाल! आरोपों और असहमतियों को स्वीकार न करना राजनीति की पुरानी अदा है। बीजेपी में इस अदा का सबसे उम्दा प्रदर्शन किया है। लेकिन इस बार मामला 'नीम चढ़े करेले' जैसा है। दरअसल उत्तर प्रदेश के चुनाव सिर पर हैं और ऐसे समय में रामधन की चोरी का मामला बीजेपी के हिंदुत्ववादी एजेंडे को जख्मी कर सकता है। यह चिंता बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से लेकर कार्यकर्ताओं तक दिखाई दे रही है। लिहाजा पीएमओ से लेकर आरएसएस प्रमुख तक मौन किंतु सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। पीएमओ रिपोर्ट मांग चुका है, आरएसएस प्रमुख के पास भी एक रिपोर्ट पहुंचने की खबर है। दावा किया जा रहा है कि चंपत राय का इस्तीफा भी संघ और केंद्र सरकार के दबाव में हुआ है। बीजेपी की उलझन रामलला के चढ़ावे की चोरी नहीं है, असल उलझन यह है कि कोई सिर ऐसा नहीं जिस पर इल्जाम थोपकर बरी हो लिया जाए। सभी सिर अपने हैं। राम मंदिर ट्रस्ट में विश्व हिंदू परिषद, आरएसएस के पदाधिकारी और केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त लोग हैं। इन्हीं लोगों ने अन्य सेवादारों की नियुक्ति की है। इनमें भी कोई न कोई किसी न किसी का करीबी है। इसके अलावा मंदिर निर्माण के पहले से ही अयोध्या में जमीनों की संदिग्ध खरीद-फरोख्त की खबरें आती रही हैं। हालांकि इनमें करप्शन के आरोपों को खारिज किया जाता रहा है, लेकिन रामधन की चोरी के बाद उधड़ी परतों के साथ ये भी बेपर्दा होते नजर आ रहे हैं। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने जमीनों की घपलेबाजी के सबूत देने का दावा किया है। खबर यह भी है कि चढ़ावे में चोरी का एक आरोपी अयोध्या के बीआईपी क्षेत्र में आलीशान घर बनवा रहा है। मंदिर से उसे सिर्फ 12 हजार रुपए सैलरी मिलती है। हालांकि यह संभव है कि उसके पास घर बनवाने लायक पैसा पहले से हो। लेकिन बीजेपी इस मसले को भी अन्य आरोपों की तरह साधने की कोशिश कर रही है। पेपर चोरी पर सवाल उठाने वालों को टुकड़े-टुकड़े गैंग कह कर प्रचारित किया जा रहा है और रामलला के चढ़ावे की चोरी पर सवाल उठाने वालों को रामद्रोही साबित करने वाले बयान दिए जा रहे हैं। मामूली चोर-उचक्कों को रिमांड पर लेने वाली पुलिस बेहद संयमित है। पुलिस ने आठ आरोपियों को दो बार कोर्ट में पेश किया, एक भी बार रिमांड नहीं मांगी। चंपत राय ने ट्रस्ट से इस्तीफा दिया है, पर अभी तक उसे मंजूर नहीं किया गया है।- **विवेकानंद-विनायक फीचर्स**

आंचलिक

जल गंगा अभियान की उपलब्धियां बढ़ा-चढ़ाकर बताईं: कांग्रेस

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● प्रदेश सरकार के जल गंगा संवर्धन अभियान की उपलब्धियों पर कांग्रेस ने सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के धार जिला प्रवक्ता अजय सिंह ठाकुर ने आरोप लगाया कि जल संरक्षण के नाम पर किए गए कार्यों के सरकारी आंकड़े जमीनी हकीकत से मेल नहीं खाते। उनका कहना है कि अभियान को सफल दिखाने के लिए उपलब्धियों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। ठाकुर ने बताया कि 19 मार्च से 30 जून तक चले इस अभियान के दौरान अधिकांश स्थानों पर जल स्रोतों की सफाई का काम अवकाश के दिनों में ही किया गया। उनका दावा है कि सीमित समय और संसाधनों में जितना काम संभव था, उससे कहीं अधिक उपलब्धियां सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज की गई हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि धार नगर में भी जल स्रोतों की सफाई को लेकर जारी किए गए सरकारी आंकड़ों और जमीनी स्तर पर हुए कार्यों में बड़ा अंतर है। उन्होंने इसे गंभीर मामला बताया। अजय सिंह ठाकुर ने कहा कि यदि धार जिले में ही सरकारी दावों और वास्तविक स्थिति में अंतर है, तो प्रदेश स्तर पर जारी किए गए आंकड़ों की भी स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए। उनका आरोप है कि अभियान को सफल साबित करने के लिए वास्तविक कार्यों से अधिक उपलब्धियां दिखाई गई हैं।

पेंशनरों ने लंबित मांगों को लेकर रैली निकाली

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● मंगलवार को पेंशनरों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर बीच रैली निकाली। शहर में निकली रैली में पेंशनरों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर वीरेंद्र कटारे को सौंपा। पेंशनरों ने महंगाई राहत और लंबित एरियर का भुगतान करने की मांग की। जिलाध्यक्ष मुकुंदसिंह सिसोदिया ने आरोप लगाया कि सरकार ने उनका पांच साल का एरियर रोक रखा है। उन्होंने कहा कि पेंशनरों को तय समय पर महंगाई राहत और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाओं का लाभ भी नहीं मिल रहा है। मुकुंदसिंह सिसोदिया ने कहा कि सरकार और शासन स्तर पर पेंशनरों की समस्याओं की सुनवाई नहीं हो रही है। उन्होंने अपनी छह सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। पेंशनरों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं की गई तो वे भोपाल में प्रदेशव्यापी आंदोलन करेंगे। ज्ञापन में मध्यप्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49(6) को समाप्त करने की मांग की गई है। कैशलेस बीमा योजना में पेंशनरों से अधिक प्रीमियम लेने का भी विरोध किया गया है। इसके अलावा पेंशनरों को आर्थिक लाभ और एरियर का समय पर भुगतान करने, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट सहित अन्य न्यायालयों के आदेशों के अनुसार केंद्र की तिथि से लाभ देने, कोरोना काल, छठे और सातवें वेतनमान का एरियर 6 प्रतिशत ब्याज के साथ देने की मांग की गई है।

धर्मशाला का जर्जर हिस्सा हटाया, दुकानों पर मलबा गिरने से हुए नुकसान के बाद नगर परिषद की कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● ओंकारेश्वर में रविवार देर रात राठौर धर्मशाला के एक हिस्से से अचानक मलबा गिर गया, जिसकी चपेट में आने से नीचे बनी चार दुकानें बुरी तरह टूट गईं। इस हादसे के बाद जिला प्रशासन ने तुरंत एक्शन लिया है। सोमवार को नगर परिषद की टीम ने जेसीबी मशीनों की मदद से धर्मशाला के जर्जर और खतरनाक हिस्से को ढहाना शुरू कर दिया है, ताकि आगे कोई बड़ा हादसा न हो। राठौर धर्मशाला का मलबा गिरने से दुकानदारों का सामान दब गया, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। हालांकि, सबसे राहत की बात यह रही कि हादसा देर रात हुआ, इसलिए कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की खबर मिलते ही नायब तहसीलदार उदय मंडलोई अपनी टीम के साथ फौरन मौके पर मुआयना करने पहुंचे थे। इस कार्रवाई के दौरान कोई विवाद या अन्य हादसा न हो, इसके लिए राजस्व विभाग, पुलिस और नगर परिषद की टीमें लगातार मौके पर तैनात रहीं। प्रशासन ने सुरक्षा के लिहाज से आसपास के दुकानदारों और रहने वाले लोगों को भी सावधान रहने को कहा है।

बड़वाह में महेश्वर रोड की बदहाली टोल बढ़ने पर भी नहीं सुधरे हालात

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● बड़वाह में महेश्वर रोड की दयनीय स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों का आक्रोश सामने आया है। टोल वसूली बढ़ने के बावजूद सड़क की मरम्मत न होने से परेशान होकर लोगों ने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई थी। मंगलवार को एमपीआरडीसी के असिस्टेंट जनरल मैनेजर (एजीएम) वासु मित्तल मौके पर पहुंचे, जहां उन्हें जनता के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। जयस्तंभ चौराहे से टोल टैक्स तक महेश्वर रोड पर गहरे गड्ढे हो गए हैं, जिनमें पानी भरने से आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। हैरानी की बात यह है कि 1 जनवरी 2025 से एमपीआरडीसी स्वयं इस मार्ग पर टोल वसूल रहा है। टोल दरों में वृद्धि के बावजूद सड़क के रखरखाव में लापरवाही बरती जा रही है। लगातार अनदेखी से परेशान होकर जयमलपुरा के निवासियों ने कई बार संबंधित अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया था। जब कोई सुनवाई नहीं हुई, तो उन्होंने थक-हारकर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत के बाद मंगलवार को एमपीआरडीसी के एजीएम वासु मित्तल स्थिति का जायजा लेने बड़वाह पहुंचे।

देश के शीर्ष जिलों में रहेगा खंडवा : विजय शाह

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● प्रदेश सरकार के जल गंगा संवर्धन अभियान का जिला स्तरीय समापन मंगलवार को किशोर कुमार सभागार में हुआ। समापन समारोह में जल संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों और पंचायत प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने कहा कि जल संरक्षण में खंडवा ने जो मॉडल तैयार किया है, उससे इस बार भी जिले के देश के अग्रणी जिलों में शामिल होने की पूरी उम्मीद है। मंत्री विजय शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेशभर में जल संरक्षण के लिए बड़े पैमाने पर काम हुआ है। लाखों जल संरचनाओं के निर्माण से भू-जल स्तर बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष जल संरक्षण के क्षेत्र में खंडवा देश में पहले स्थान पर रहा था और इस बार भी जिला शीर्ष स्थान हासिल कर सकता है। इसके लिए उन्होंने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को अग्रिम बधाई दी।

कार्यक्रम में विधायक कंचन तनवे, नारायण पटेल, छाया मोरे, महापौर अमृता यादव, कलेक्टर ऋषव गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान जिले में हुए जल संरक्षण और नदी पुनर्जीवन कार्यों पर आधारित डॉक्यूमेंट्री भी दिखाई गई तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संदेश पढ़कर सुनाया गया।

कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि मनरेगा में सीमित बजट होने के बावजूद पंचायत प्रतिनिधियों, सचिवों और ग्रामीणों की भागीदारी से जिले में करीब 4.25 लाख जलग्रहण एवं जल संरक्षण संरचनाएं तैयार की गई। उन्होंने कहा कि पिछले साल की उपलब्धि दोहराने के लिए पूरे जिले में अभियान चलाया गया। वहीं नगर निगम खंडवा को जल संरक्षण कार्यों के लिए देश में दूसरा स्थान मिलने पर भी बधाई दी।

जिला पंचायत सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने बताया कि अभियान के तहत जिले में 25 अमृत सरोवर पूरे किए जा चुके हैं। ग्रामीण विकास विभाग समेत सभी विभागों ने अपने निर्धारित लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरे किए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि जल संचय जनभागीदारी अभियान 2.0 में भी खंडवा प्रदेश और देश के अग्रणी जिलों में रहेगा।

जल बचाने और पौधे लगाने का संदेश

पंधाना विधायक छाया मोरे ने घरों में रूफ वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अपनाने और पौधरोपण करने की अपील की। महापौर अमृता यादव ने कहा कि नगर निगम ने नई जल संरचनाओं के निर्माण के साथ पुरानी जल संरचनाओं का संरक्षण और जीर्णोद्धार भी कराया है।

जन्म प्रमाण-पत्र में देरी पर तीन पंचायत सचिवों पर जुर्माना, कलेक्टर ने लगाया 250 रुपए प्रतिदिन अर्थदंड

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● जन्म प्रमाण-पत्र समय सीमा में जारी नहीं करना खालवा विकासखंड के तीन पंचायत सचिवों को भारी पड़ गया। लोक सेवा गारंटी अधिनियम-2010 के तहत निर्धारित अवधि में सेवा उपलब्ध नहीं कराने पर कलेक्टर ने मंगलवार को तीनों पंचायत सचिवों पर अर्थदंड लगाया है। यह कार्रवाई उन अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ की गई है जिन्होंने आवेदकों को समय पर जन्म प्रमाण-पत्र उपलब्ध नहीं कराया। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम-2010 के तहत नागरिकों को चिन्हित सेवाएं तय समय-सीमा में उपलब्ध कराना अनिवार्य है। यदि संबंधित अधिकारी या कर्मचारी निर्धारित अवधि में सेवा देने में विफल रहता है तो उसके विरुद्ध आर्थिक दंड की कार्रवाई का प्रावधान है। नियमों के अनुसार देरी होने पर 250 रुपए प्रतिदिन की दर से जुर्माना लगाया जाता है। ग्राम पंचायत डाभीया की पंचायत सचिव टीना पटेल ने जन्म प्रमाण-पत्र जारी करने में 5 दिन की देरी की। इस कारण उन पर 1,250 रुपए का अर्थदंड लगाया गया। ग्राम पंचायत ढकोची के पंचायत सचिव लाल बहादुर शिलाले पर 250 रुपए का अर्थदंड लगाया गया। ग्राम पंचायत मीरपुर खालवा के पंचायत सचिव शुभम मार्को पर भी 250 रुपए का जुर्माना लगाया गया। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने कहा कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम का उद्देश्य आम नागरिकों को सरकारी सेवाएं तय समय में उपलब्ध कराना है।

आज इंग्लैंड के खिलाफ पहला टी-20 मैच

डरहम (एजेंसी) ● भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। बुधवार को सीरीज का पहला मैच इंग्लैंड के चेस्टर-ली-स्ट्रीट में खेला जाएगा। आयरिश टीम द्वारा दिए गए घावों पर इंग्लैंड के खिलाफ भारत जीत का मरहम लगाना चाहेगा। कप्तान श्रेयस अय्यर के लिए भी शुरुआत अच्छी नहीं रही और वे भी अंग्रेजों को हराकर खुद को साबित करना चाहेंगे। अय्यर आयरलैंड के दौरे पर बल्ले से भी फ्लॉप रहे और उसकी भरपाई वह अंग्रेजों के खिलाफ करना चाहेंगे। बता दें कि बुधवार ये भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जानी है। आयरलैंड के खिलाफ मैच में भारत ने वैभव सूर्यवंशी को मौका नहीं दिया था।

सुनील गावस्कर जैसे महान बल्लेबाज का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के पहले ही मैच में 15 साल के इस किशोर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में जगह मिलनी चाहिए। गौरतलब है कि इंग्लैंड का भी हालिया प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में उन्हें अपने घर पर हार का सामना करना पड़ा। भले ही ये रेड बॉल सीरीज थी, लेकिन टीम इंग्लैंड अपने घर पर सीरीज खेल रही थी। ऐसे में टीम इंडिया के पास भी मौका है कि वे जीत हासिल करें और आयरलैंड के खिलाफ मिली हार को कुछ हद तक भुलाने की कोशिश करें।

जिंदगी कितनी नाजुक है, अब समझ में आयाः अर्जुन बिजलानी

मुंबई (एजेंसी) ● हाल ही में छोटे परदे के अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने छत्तीसगढ़ में कैंसर मरीजों से मुलाकात के अपने अनुभव साझा किए। अभिनेता ने बताया कि इस दौरान जो दृश्य उन्होंने देखे, उन्होंने उन्हें भीतर तक झकझोर कर रख दिया। अभिनेता का कहना है कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाना केवल किसी एक फिल्म इंडस्ट्री या कुछ चुनिंदा लोगों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर उस व्यक्ति का कर्तव्य है जिसकी समाज तक पहुंच है। एक बातचीत के दौरान अर्जुन बिजलानी ने बताया कि छत्तीसगढ़ में कैंसर मरीजों से मुलाकात के समय वह बेहद भावुक हो गए थे। उन्होंने विशेष रूप से एक ऐसे दो वर्षीय बच्चे का जिक्र किया, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से संघर्ष कर रहा था। अभिनेता ने कहा कि उस मासूम बच्चे की स्थिति और उसके माता-पिता की बेबसी देखकर उनका दिल द्रवित हो गया। इस अनुभव ने उन्हें एहसास कराया कि जीवन कितना अनिश्चित और नाजुक है तथा छोटी-सी लापरवाही भी भविष्य में बड़ी समस्या का रूप ले सकती है।

स्टोक्स के आसान नहीं होगा संन्यास के बाद मैदान से दूर रहना : सचिन

मुंबई (एजेंसी) ● सचिन तेंदुलकर ने अचानक की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले इंग्लैंड के दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को सोशल मीडिया के जरिये दिये अपने संदेश में कहा है कि उनके लिए मैदान से दूर रहना कठिन होगा। इस दौरान सचिन ने स्टोक्स के निडर अंदाज और जीत के जज्बे के साथ ही प्रेरणादायक कप्तानी की जमकर प्रशंसा की। स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद अचानक ही संन्यास की घोषणा कर 15 साल के अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का सामापन कर दिया। तेंदुलकर ने स्टोक्स के खेल को अलविदा कहने के फैसले पर कहा कि ऑलराउंडर ने हर मैच में जो ऊर्जा दिखाई, वह हमेशा ही अद्वितीय रही। उन्होंने स्टोक्स के एक ऑलराउंडर और कप्तान के तौर पर टीम में पड़े प्रभाव की भी सराहना की है। तेंदुलकर ने सोशल मीडिया में लिखा, 'स्टोक्स, मुझे इसलिए पसंद रहे क्योंकि वह खेल में काफी ऊर्जा लेकर आते थे। उनका सकारात्मक रवैया, बेखौफ इरादा और दबाव में मैच का रुख पलटने की कला हमेशा याद आयेगी।' उन्होंने स्टोक्स को इंग्लैंड के बेहतरीन ऑलराउंडरों में से एक बताया। साथ ही लिखा, 'एक ऑलराउंडर के तौर पर आप इंग्लैंड के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में रहे हैं। कप्तान के रूप में आपकी साहसिक रणनीतियां और खेल को सहज समझने की क्षमता ने आपकी टीम को एक नई दिशा दी।

इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में भी वैभव को जगह मिलना संभव नजर नहीं आता : गावस्कर

मुंबई (एजेंसी) ● भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि भारतीय टीम का शीर्ष क्रम काफी अच्छा है। ऐसे में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज में भी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को शायद ही अवसर मिले। उन्होंने हालांकि कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच में इस युवा खिलाड़ी को शामिल किया जाना चाहिये। गावस्कर ने कहा कि सूर्यवंशी का निडर अंदाज मेजबान गेंदबाजों पर दबाव बना सकता है। वैभव को आयरलैंड के खिलाफ डेब्यू का अवसर नहीं मिला था। इस सीरीज में भारतीय टीम को हार का सामन करना पड़ा था जिसके बाद से ही वैभव को उतारने की मांग उठ रही थी। गावस्कर का मानना है कि सीनियर खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम में बिताये समय का लाभ भी वैभव को मिलेगा।गावस्कर ने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि वह पहला मैच खेलेगा, क्योंकि यह एक नई सीरीज की शुरुआत है और वह टीम को शानदार शुरुआत दिला

सकता है। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज हार से उबरने का यह सबसे अच्छा तरीका है।' उन्होंने कहा, 'उसे टीम में शामिल किया जाना इसलिए कठिन है क्योंकि इसके लिए अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की जोड़ी में से किसी एक का बाहर करना होगा जो संभव नहीं दिखता। आप ऐसी जोड़ी को नहीं तोड़ना चाहेंगे जिसने आपको अच्छे परिणाम दिए हों।' इससे पहले गावस्कर ने आयरलैंड में वैभव के डेब्यू न होने पर हैरानी जताते हुए कहा था कि यह युवा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खेलने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद थी कि वैभव को आयरलैंड सीरीज में डेब्यू करने का मौका मिलेगा पर ऐसा नहीं हुआ।

व्यस्तता के कारण बेटियों से हुई भावनात्मक दूरीः स्मिता

मुंबई (एजेंसी) ● धारावाहिक बालिका वधू में 'सुमित्रा' के किरदार से घर-घर पहचान बनाने वाली अभिनेत्री ने बताया कि काम की व्यस्तता के कारण कई बार वह अपनी बेटियों के साथ उतना समय नहीं बिता सकीं, जितना वह चाहती थीं। टीवी टॉक शो के दौरान बातचीत में स्मिता बंसल ने कहा कि एक कलाकार के रूप में वह हमेशा अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित रही हैं, लेकिन इस समर्पण की एक कीमत भी उन्हें चुकानी पड़ी। उन्होंने स्वीकार किया कि लगातार शूटिंग और पेशेवर जिम्मेदारियों के चलते कई बार परिवार और बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाना उन्हें भीतर से परेशान करता था। स्मिता ने एक ऐसी घटना का जिक्र किया, जिसने उन्हें गहराई से झकझोर दिया था। उन्होंने बताया कि एक बार लंबे समय बाद शूटिंग से घर लौटने पर उन्होंने अपनी बेटी को खुद सुलाने का फैसला किया। लेकिन उस समय उनकी बेटी ने उनके साथ सोने से इनकार कर दिया और अपनी दादी के साथ सोने की इच्छा जताई। अभिनेत्री के अनुसार, उस पल उन्हें महसूस हुआ कि उनकी व्यस्त दिनचर्या की वजह से उनके और बेटी के बीच भावनात्मक दूरी पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि एक मां के रूप में वह क्षण उनके लिए बेहद पीड़ादायक था। अभिनेत्री ने बताया कि दर्शक उन्हें अक्सर उनके टीवी किरदारों के नाम से पहचानते थे। कोई उन्हें 'आनंदी की मां' कहता था तो कोई 'जग्या की मां', लेकिन वास्तविक जीवन में वह अपनी बेटी के साथ वह समय नहीं बिता पा रही थीं जिसकी उन्हें सबसे ज्यादा जरूरत थी।

उज्जैन संभाग

उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड हाईवे के भूमि अधिग्रहण पर हाईकोर्ट का स्टे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने उज्जैन-जावरा ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे परियोजना के तहत उज्जैन के तीन गांवों की भूमि अधिग्रहण मामले में किसानों को बड़ी राहत दी है। न्यायालय ने ग्राम मंगरोला, सोडंग और झिरनिया के किसानों की याचिका पर सोमवार को सुनवाई करते हुए विवादित भूमि पर यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। अधिवक्ता विशाल चौहान ने बताया कि भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही उचित मुआवजा और पारदर्शिता अधिनियम 2013 के अनिवार्य प्रावधानों का पालन किए बिना की गई है। याचिका में बताया गया कि किसानों ने वैकल्पिक मार्ग, शासकीय भूमि के उपयोग और इंटरचेंज डिजाइन में बदलाव को लेकर आपत्तियां और सुझाव दिए थे, जिन पर प्रशासन द्वारा विधि-सम्मत विचार नहीं किया गया। किसानों की ओर कोर्ट में बताया गया कि तीन बड़े रोड इन गांवों से कनेक्ट है मुआवजा राशि के चलते किसान अपनी भूमि नहीं देना चाहते हैं। चौहान बताया कि न्यायालय को यह भी अवगत कराया कि आपत्तियों की सुनवाई सक्षम प्राधिकारी के बजाय अन्य अधिकारी द्वारा की गई, जो सीधे तौर पर सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। प्रारंभिक सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने यह भी पाया कि किसानों को अब तक मुआवजा राशि प्राप्त नहीं हुई है और इस मामले में कई महत्वपूर्ण वैधानिक प्रश्न विचारणीय हैं। इन तर्कों और तथ्यों के आधार पर न्यायालय ने भूमि के संबंध में यथा स्थिति बनाए रखने का महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित किया। उच्च न्यायालय के इस फैसले से मंगरोला, सोडंग और झिरनिया के प्रभावित किसानों को एक बड़ी और महत्वपूर्ण अंतरिम राहत मिली है।

तंत्र-मंत्र के अंधविश्वास में तीन सियारों की हत्या, वीडियो से खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● तंत्र-मंत्र के अंधविश्वास के चलते तीन सियारों की हत्या का मामला सामने आया है। आरोपी ने इस पूरी वारदात का वीडियो मोबाइल में रिकॉर्ड किया था, जो उसके खिलाफ अहम सबूत बना। घटना 23 मई जीवाजीगंज थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने एक अन्य मामले में मिथुन पिता राजू नामक आरोपी को सोमवार को हिरासत में लिया था। पूछताछ के दौरान उसके मोबाइल की जांच की गई, जिसमें तीन वीडियो मिले। इन वीडियो में आरोपी सियारों को उनके प्राकृतिक आवास से पकड़कर उनकी हत्या करते हुए दिख रहा था। इसके बाद पुलिस ने तुरंत वन विभाग को सूचित किया। वन विभाग की टीम ने वीडियो की जांच कर पुष्टि की कि दिखाए गए वन्यजीव सियार ही थे। आरोपी ने पूछताछ में तीन सियारों को मारने की बात स्वीकार की।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी ने तंत्र-मंत्र से जुड़े अंधविश्वास और सियार के अंगों से 'सिद्धि' मिलने की भ्रांतियों के कारण इस वारदात को अंजाम दिया। वन मंडल अधिकारी अनुराग तिवारी ने बताया कि इस बात की भी जांच की जा रही है कि आरोपी अकेला था या इस अवैध शिकार में अन्य लोग भी शामिल थे। वन्यजीवों के अवशेष और अन्य साक्ष्य बरामद करने के लिए आरोपी के ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। वन विभाग ने आरोपी के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की गैर-जमानती धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि सियार एक संरक्षित वन्यजीव है और उसका शिकार करना एक गंभीर अपराध है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत की मांग की जाएगी। वन विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे तंत्र-मंत्र और अंधविश्वास के नाम पर फैलाई जाने वाली भ्रांतियों से दूर रहें। वन्यजीव प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं, और उनके शिकार या तस्करी से संबंधित कोई भी जानकारी तुरंत वन विभाग या पुलिस को दें।

सिंहस्थ से पहले सभी ऑटो ई-रिक्शा पर 'यूनिक आईडी' जरूरी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ को देखते हुए पुलिस ने शहर की यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। महाकाल मंदिर और अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों के आसपास लगातार लगने वाले जाम को कम करने के लिए अब शहर में संचालित सभी ऑटो और ई-रिक्शा के लिए यूनिक आईडी प्रणाली लागू की गई है। बिना यूनिक आईडी के शहर में ऑटो या ई-रिक्शा का संचालन नहीं किया जा सकेगा।

यातायात पुलिस के अनुसार वर्तमान में शहर में करीब 5,000 ऑटो और ई-रिक्शा पंजीकृत हैं। प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव कम करने और यातायात को संतुलित बनाए रखने के उद्देश्य से सभी ऑटो और ई-रिक्शा का संचालन अब दो शिफ्टों में कराया जाएगा। प्रत्येक वाहन को यूनिक आईडी जारी की जाएगी, जिसके आधार पर उसकी संचालन अवधि निर्धारित होगी।

पुलिस ने सभी ऑटो और ई-रिक्शा संचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे अगले सात दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से यातायात थाना, उज्जैन पहुंचकर अपनी यूनिक आईडी प्राप्त करें। इसके लिए वाहन के सभी वैध दस्तावेज और चालक का आधार कार्ड साथ लाना आवश्यक होगा। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही संबंधित वाहन को यूनिक आईडी जारी की जाएगी।

यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित सात दिन की अवधि समाप्त होने के बाद बिना यूनिक आईडी कोई भी ऑटो या ई-रिक्शा शहर में संचालित नहीं किया जा सकेगा। साथ ही यदि कोई चालक अपनी निर्धारित शिफ्ट से अलग समय में वाहन चलाते हुए या बिना यूनिक आईडी के संचालन करते हुए पाया गया, तो उसके खिलाफ मोटरयान अधिनियम और प्रचलित यातायात नियमों के तहत चालानी कार्रवाई के साथ अन्य वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी।

पुलिस का मानना है कि इस व्यवस्था से महाकाल मंदिर, हरसिद्धि मंदिर, रामघाट और अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों के आसपास लगने वाले जाम में कमी आएगी तथा सिंहस्थ से पहले शहर की यातायात व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित बनाया जा सकेगा।

इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर से बैटरी चोरी, सीसीटीवी में कैद हुईं दो युवतियां और एक युवक

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● नानाखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज कैंपस में बैटरी चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने कैंपस में खड़ी एक जायलो गाड़ी से बैटरी चुरा ली। घटना के बाद कैंपस और कॉलोनी के निवासियों ने सक्रियता दिखाते हुए एक आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। कॉलेज के कर्मशाला निदेशक महेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि चोरी की यह घटना मंगलवार दोपहर करीब 11:30 बजे से 12:30 बजे के बीच हुई। चोर दिनदहाड़े कैंपस में घुसे और बाहर खड़ी गाड़ी से महज एक मिनट में बैटरी निकालकर फरार हो गए। कैंपस में लगे तीन सीसीटीवी कैमरों में से एक में चोरी की पूरी वारदात कैद हो गई। फुटेज में दो युवतियां और एक युवक दिखाई दे रहे हैं। सीसीटीवी रिकॉर्डिंग के अनुसार, तीनों कैंपस में दाखिल हुए। इसके बाद युवक ने वाहन से बैटरी निकाली और उसे लेकर चला गया। फुटेज में एक युवती मोबाइल फोन पर बात करती दिख रही है, जबकि दूसरी युवती आसपास निगरानी कर रही थी। बताया गया है कि कैमरे की जानकारी होने के कारण युवती अपना चेहरा छिपाने का प्रयास कर रही थी। तीनों की संदिग्ध गतिविधियां सीसीटीवी में स्पष्ट रूप से दर्ज हुई हैं। महेंद्र सिंह भाटी के मुताबिक, चोरी की सूचना मिलते ही कॉलोनी के लोग इकट्ठा हुए और उन्होंने आरोपियों का पीछा किया।

शिप्रा के घाट पर हुई शर्मनाक घटना वेंडर-पुजारियों के बीच चले लात-घूंसे

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● शिप्रा के घाट पर एक शर्मनाक घटना सामने आई है। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हुआ। यहां शाम को महाआरती के बीच अचानक मंत्रोच्चार की जगह अपशब्द और लात-घूंसे चलने लगे। फूल-प्रसाद बेचने वाले वेंडरों और घाट के पुजारियों के बीच विवाद हुआ। घटना 28 जून की शाम की है, जिसने घाटों की सुरक्षा और वहां चल रही अवैध दुकानदारी पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। थाना महाकाल पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस कायमी की है। मारपीट में दोनों ओर से 4 लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शाम को जब शिप्रा घाट पर आरती शुरू हुई, तो फूल-प्रसाद विक्रेता हमेशा की तरह आरती के बीच में ही श्रद्धालुओं को सामान बेचने की जिद करने लगे। इससे आरती की मर्यादा भंग हो रही थी। विकास पिता शशिकांत शर्मा 38 साल निवासी बिलोटीपुरा के पक्ष से गणेश पिता शशिकांत शर्मा को चोट आई। पुलिस ने रिपोर्ट पर ममता परमार, क्षिप्रा मराठा के खिलाफ केस दर्ज किया।

20 किलोमीटर लंबा चक्कर लगाने को मजबूर क्षेत्र के हजारों लोग

तीन साल से बंद मांगलिया रेलवे क्रॉसिंग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मांगलिया रेलवे क्रॉसिंग पर तीन वर्षों से बंद पड़े रेलवे ब्रिज के कारण मांगलिया-व्यासखेड़ी रोड़ पूरी तरह बंद है। अब बारिश शुरू होते ही रेलवे लाइन के नीचे नाले से होकर गुजरने वाला वैकल्पिक कच्चा रास्ता भी पानी भरने से बंद हो गया है। इससे अगरबत्ती फैक्ट्रियों में काम करने वाली महिलाओं, स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राएं परेशानी का सामना कर रहे हैं।

कीचड़ और पानी से भरे रास्ते से गुजरने की मजबूर: स्थानीय लोगों ने बताया ब्रिज बंद होने के बाद से फैक्ट्री में काम करने वाली महिलाएं और बच्चे रेलवे लाइन के नीचे नाले के किनारे बने जंगल के कच्चे रास्ते से होकर आवाजाही कर रहे थे। बारिश के बाद नाले में पानी आ जाने से यह रास्ता भी बंद हो गया है। अब लोगों के पास 20 किलोमीटर लंबा चक्कर लगाकर जाने के अलावा

व्यापारियों का कारोबार ठप

रोड़ बंद होने से मांगलिया के व्यापारी और छोटे दुकानदारों का कारोबार भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है। ग्राहकों की आवाजाही रुकने से दुकानें खाली पड़ी हैं। स्थानीय दुकानदारों का कहना हैं कि तीन साल से हालात बद से बदतर हो गए हैं।

क्रॉसिंग खोलने की मांग

रहवासियों और किसान नेता ने मांग की है कि बारिश का मौसम व मांगलिया क्षेत्र के निवासियों की तकलीफ को देखते हुए रेलवे क्रॉसिंग को जल्द से जल्द खोला जाए। हजारों लोग रोज परेशान हो रहे हैं, लेकिन कोई देखने वाला नहीं है। प्रशासन को तुरंत वैकल्पिक व्यवस्था करना चाहिए या ब्रिज का काम पूरा कर रास्ता खोलना चाहिए।

देवास नाका की जर्जर सड़कों से थम गया कारोबार, रोजी-रोटी का संकट गहराया

मालवाहक वाहनों की आवाजाही प्रभावित, करोड़ों का माल अटका

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवास नाका और लसूड़िया मोरी स्थित एसआर-एसडीए कंपाउंड की जर्जर सड़कों ने प्रदेश के सबसे बड़े मेडिसिन और ट्रांसपोर्ट हब की रफ्तार थाम दी है। ड्रेनेज लाइन बिछाने के बाद सड़क की मरम्मत नहीं होने और लगातार बारिश के कारण पिछले एक सप्ताह से मालवाहक वाहनों का संचालन बुरी तरह प्रभावित है।

इससे हजारों मजदूरों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है, वहीं करोड़ों रुपये का माल गोदामों और डिपो में फंसा हुआ है। एसोसिएशन ऑफ पार्सल ट्रांसपोर्ट एवं फ्लीट ओनर्स के अध्यक्ष राकेश तिवारी ने बताया कि क्षेत्र में हजारों ड्राइवर, क्लीनर और मजदूर काम नहीं मिलने से परेशान हैं। सड़कों पर बने गहरे

गड्ढों के कारण छोटे वाहन पलटने और लोगों के घायल होने की घटनाएं भी बढ़ रही हैं, जबकि मालवाहक ट्रक रोजाना कीचड़ और गड्ढों में फंस रहे हैं। व्यापारियों के मुताबिक, हजारों डिपो और गोदामों से दवाइयों, कृषि उत्पादों, कंज्यूमर गुड्स और अन्य जरूरी सामान की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। रोजाना आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि ड्रेनेज लाइन का निर्माण कार्य गुणवत्ता के अनुरूप नहीं हुआ और ठेकेदार अधूरा काम छोड़कर चला गया। ट्रांसपोर्टर्स ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सड़कों की मरम्मत नहीं की गई तो पार्सल और गुड्स परिवहन कार्य अनिश्चितकाल के लिए बंद करने को मजबूर होंगे।

150 से 200 ट्रक मुरम डालने की मांग

एसोसिएशन ने महापौर पुष्यमित्र भार्गव और जलकार्य प्रभारी अभिषेक बबलू शर्मा से मांग की है कि तत्काल 150 से 200 ट्रक हार्ड मुरम डालकर सड़क को यातायात योग्य बनाया जाए, ताकि मालवाहक वाहनों की आवाजाही शुरू हो सके। उनका कहना है कि सड़कें ठीक रहेंगी तभी मजदूरों को रोजगार मिलेगा। साथ ही स्थायी मरम्मत और दोषी अधिकारियों व ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की गई है।

पिनैकल डिजायर में पर्दे के पीछे इंदौर की ही कंपनी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के सबसे चर्चित पिनैकल प्रोजेक्ट में एक बड़ी बिसात बिछ गई है। मामला कंपनी के सुपर कॉरिडोर पालाखेड़ी स्थित प्रोजेक्ट पिनैकल डिजायर का है। इस दिवालिया प्रोजेक्ट को लेने के लिए फ्रंट में अहमदाबाद की कंपनी आई है।

इंदौर में साल 2009-10 के दौरान आशीष दास और पुष्पेंद्र बढ़ेरा की कंपनी जेएसएम देवकांस इंडिया प्रा. लि. ने एक के बाद एक तीन प्रोजेक्ट शुरू किए थे। लेकिन साल 2016 तक कंपनी दिवालिया हो गई और तीनों प्रोजेक्ट बंद हो गए। इसके बाद ये मामले एनसीएलटी में पहुंच गए।

इनमें पहला प्रोजेक्ट निपानिया का पिनैकल ड्रीम्स था, जहां बहुमंजिला इमारतें और लग्जरी फ्लैट बनाए जाने थे। दूसरा प्रोजेक्ट पिनैकल ग्रांड था। तीसरा और सबसे बड़ा प्रोजेक्ट पिनैकल डिजायर था, जो सुपर कॉरिडोर के पालाखेड़ी इलाके में करीब 50 एकड़ जमीन पर लाया गया था। अब इसी पिनैकल डिजायर प्रोजेक्ट को टेकओवर करने की तैयारी अंतिम चरण में है।

पिनैकल डिजायर प्रोजेक्ट सुपर कॉरिडोर के पालाखेड़ी इलाके में करीब 50 एकड़ की कीमती जमीन पर लाया गया था। इस प्रोजेक्ट को आशीष दास और पुष्पेंद्र बढ़ेरा ने अपनी कंपनी जेएसएम देवकांस इंडिया प्रा. लि. के जरिए शुरू किया था। प्रोजेक्ट में 600 से ज्यादा छोटे-बड़े प्लॉट काटे गए थे। कई लोगों ने यहां प्लॉट खरीदे और उनकी रजिस्ट्री भी कराई। खरीदारों ने करीब 50 करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम आधिकारिक रूप से जमा की थी। कंपनी ने जमीन करीब 550 रुपए प्रति वर्गफीट के हिसाब से बेचने की बात कही थी। बाद में कंपनी दिवालिया हो गई और पूरा प्रोजेक्ट एनसीएलटी में चला गया। इस प्रोजेक्ट में सिक्योर्ड, अनसिक्योर्ड क्रेडिटर यानी कर्ज देने वालों के साथ ही प्लॉट की खरीदी करने वालों की डिमांड राशि रखी गई है। हाल ही में कमेटी ऑफ क्रेडिटर्स की बैठक हुई है। इसमें सभी की कुल 89 करोड़ की डिमांड राशि की बात रखी गई,

मध्य प्रदेश में शराब पीने के आंकड़ों का विश्लेषण

प्रदेश में महिलाओं के शराब सेवन के आंकड़ों ने राष्ट्रीय औसत को भी पीछे छोड़ा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ●मध्य प्रदेश में शराब पीने के पैटर्न में बदलाव दिख रहा है, जो मिली-जुली तस्वीर पेश करता है। हालिया नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे से पता चलता है कि राज्य में शराब पीने वाली महिलाओं के प्रतिशत में मामूली बढ़ोतरी हुई है, जिससे मध्य प्रदेश राष्ट्रीय औसत से थोड़ा ऊपर आ गया है। वहीं, पुरुषों में शराब पीने की दर राष्ट्रीय औसत से थोड़ी कम बनी हुई है, हालांकि पिछले सर्वे की तुलना में इसमें भी बढ़ोतरी हुई है।

सर्वे के नतीजे सरकारी आंकड़ों के साथ आए हैं, जिनसे पता चलता है कि शराब की बिक्री में ज़बरदस्त बढ़ोतरी हुई है। इसमें 'ठंडी बीयर' राज्य में सबसे ज़्यादा पसंद की जाने वाली शराब बनकर उभरी है, जिसने देसी शराब और भारतीय-निर्मित विदेशी शराब दोनों को पीछे छोड़ दिया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 29 मई को जारी नवीनतम राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य

सर्वेक्षण के अनुसार, मध्य प्रदेश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की 1.2% महिलाएं शराब का सेवन करती हैं, जो 1.1% के राष्ट्रीय औसत से थोड़ा अधिक है। ताज़ा आंकड़े (2019-21) के मुक़ाबले थोड़ी बढ़ोतरी दिखाते हैं, जब मध्य प्रदेश में 1% महिलाओं ने शराब पीने की बात कही थी।

दिलचस्प बात यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर रुझान इसके उलट रहा है। पूरे भारत में, शराब पीने वाली महिलाओं का अनुपात (2019-21) के 1.3% से घटकर (2023-24) में 1.1% हो गया। जहाँ देश में महिलाओं के शराब पीने में कमी देखी गई, वहीं मध्य प्रदेश में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। पुरुषों की बात करें तो, मध्य प्रदेश में 15 साल और उससे ज़्यादा उम्र के 18.5% पुरुषों ने शराब पीने की बात कही, जो 18.9% के राष्ट्रीय औसत से थोड़ा कम है।

मेघालय पुलिस ने सोनम रघुवंशी की गिरफ्तारी चेकलिस्ट में राजा की हत्या का जिक्र ही नहीं- हाईकोर्ट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● पूरे देश को हिला देने वाले शिलांग हनीमून मर्डर केस में इंदौर की सोनम रघुवंशी की जमानत जारी रहेगी। हाईकोर्ट शिलांग द्वारा जारी आदेश में साफ लिखा है कि मेघालय पुलिस अधिकारियों ने विवेक का उपयोग नहीं किया है।

मेघालय पुलिस ने इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या का खुलासा 9 जून 2025 को किया था। इस मामले में पुलिस ने राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से गिरफ्तार किया था। बाद में 27 अप्रैल 2026 को जिला कोर्ट ने सोनम को जमानत दे दी।

कोर्ट ने माना कि गिरफ्तारी के दौरान मेघालय पुलिस ने जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं की। पुलिस ने सोनम को यह भी साफ तौर पर नहीं बताया कि उसे किस वजह से गिरफ्तार किया जा रहा है। इसे संविधान के अनुच्छेद 22 के तहत मिले मौलिक अधिकारों का उल्लंघन माना गया। इसके अलावा दस्तावेजों में

बीएनएस की धारा 103(1) की जगह गलती से 403(1) लिख दी गई थी।

सोनम की जमानत के खिलाफ मेघालय पुलिस हाईकोर्ट पहुंची। शिलांग हाईकोर्ट ने 20 पेज का आदेश जारी करते हुए पुलिस की कई गंभीर लापरवाहियों का जिक्र किया।

चेकलिस्ट में राजा की हत्या लिखी ही नहीं-सोनम रघुवंशी को 9 जून 2025 को गाजीपुर से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के समय उससे एक चेकलिस्ट पर हस्ताक्षर कराए गए थे। इस चेकलिस्ट में सोनम से 17 सवाल पूछे गए थे।

प्रतिबंध के बावजूद बीच सड़क पर पार्षद ने विधायक निधि से कराया बोरिंग

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सफाई में नंबर वन इंदौर में अजब-गजब मामला हुआ है। यहां सड़क के बीचों बीच पार्षद ने बोरिंग करवा दी। यह बोरिंग विधायक निधि से हुई है। यह बोरिंग भी तब हुई जब इंदौर में इस पर रोक है और प्रतिबंधात्मक धारा लगी हुई है।

इंदौर में सड़क के बीचों बीच बोरिंग हो गई है। यह बोरिंग वार्ड 50 में गिरधर नगर में हुई है। यहां के पार्षद बीजेपी के राजीव जैन है। हाल ही में इंदौर में हुए भयंकर जलसंकट के बाद बोरिंग को लेकर मांग हुई। इस पर इंदौर पांच के क्षेत्रीय विधायक महेंद्र हार्डिया विधायक निधि से राशि मंजूर की और पार्षद ने बोरिंग करवा दी।

पार्षद बोले रहवासियों ने ही कराई वहां

पार्षद राजीव जैन ने इस मामले में द सूत्र से कहा कि यह बोरिंग खुद रहवासियों ने ही सड़क के बीच में कराई है। मैं भी रात को मौके पर था। रहवासियों को समझाया था। लेकिन रहवासी बोले कि एक और सीवरेज लाइन है और एक और नर्मदा लाइन है। ऐसे में किनारे पर बोरिंग नहीं हो सकती है। इसके बाद उन्होंने ही तय किया कि इसे सड़क के बीच में कराई जाए।

सड़क के बीच में हो गई बोरिंग- यह बोरिंग करीब सप्ताह भर पहले कराई गई है। इस दौरान पार्षद भी रात को मौके पर मौजूद रहे। यह बोरिंग गिरधर नगर की गली नंबर 1 में की गई है। अब आने-जाने वालों वाहन चालकों और लोगों को अपनी जिम्मेदारी से ही निकलना होता है, कोई भी कभी भी इस बोरिंग से टकरा सकता है।

हाल में अवंतिका गैस लाइन पर हो रही थी बोरिंग- हाल ही में इंदौर में अवंतिका गैस लाइन में विस्फोट का मामला आया था, जिसमें चार लोग झुलस गए थे। यहां भी बीजेपी पार्षद बालमुकुंद सोनी को लेकर आरोप लगे कि वह बोरिंग करवा रहे थे। बोरिंग के दौरान बिना जांच किए बोरिंग के लिए मशीन गैस लाइन पर चला दी जिससे विस्फोट हुआ।

दिन में बिजली के उपयोग पर मिलेगी 20 प्रतिशत छूट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश में बिजली बिल का फॉर्मेट पूरी तरह बदल गया है। MPEB(MPMKVVCL) ने बिल को दो पेज का कर दिया है। अब बिल में पिछले साल की खपत से तुलना भी दिखेगी। पॉवर फैक्टर, मैक्सिमम डिमांड और TOD बिलिंग की जानकारी भी जुड़ गई है। सुबह 9 से शाम 5 के बीच बिजली इस्तेमाल पर 20% तक छूट मिलेगी। मध्यप्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ी खबर है। MPEB ने बिजली बिल का नया फॉर्मेट लागू कर दिया है। बिल अब पहले जैसा नहीं रहेगा। इसमें कई नई जानकारियां जुड़ गई हैं।

नए फॉर्मेट से उपभोक्ताओं को कई फायदे मिलेंगे। आप अपनी खपत को बेहतर ढंग से समझ

पाएंगे। सही समय पर बिजली इस्तेमाल करके पैसे भी बचा सकेंगे। स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं को यह डिटेल इस जून के बिल में ही मिल रही है।

नया बिल कैसा होगा-पहले बिजली का बिल एक पेज का होता था। अब वही बिल दो पेज में आ रहा है। दूसरे पेज पर खपत की पूरी डिटेल लिखी होगी।

पॉवर फैक्टर भी अब बिल पर

नए बिल में पॉवर फैक्टर यानी PF (Power Factor) भी दिखाया जाएगा। घरेलू बिल में यह पहली बार जोड़ा गया है। PF का सीधा मतलब है, घर में बिजली कितनी असरदार ढंग से इस्तेमाल हो रही है। बिल पर लिखा नंबर देखकर आप अपनी स्थिति समझ सकते हैं। 0.9 से ऊपर PF बहुत बढ़िया माना जाता है। 0.85 से कम PF हो तो सुधार की जरूरत है। राहत की बात यह है कि घरेलू उपभोक्ताओं पर अभी कोई पेनल्टी नहीं है। यह सिर्फ जानकारी के लिए दिखाया जा रहा है। एसी (AC - Air Conditioner), फ्रिज और मोटर PF कम करते हैं।

सबसे काम की चीज है पिछले साल से तुलना। अब बिल में पिछले साल इसी महीने की खपत भी दिखेगी। गर्मी या सर्दी में खपत कितनी बदली, तुरंत पता चलेगा। बिना वजह बिल बढ़ा हो तो मीटर जांच करवा सकते हैं।

MD यानी मैक्सिमम डिमांड-बिल में एक और नया शब्द दिखेगा MD— MD यानी मैक्सिमम डिमांड (MD - Ma&imum Demand) किलोवाट यानी kW (kW - Kilowatt) में आएगी। इसका मतलब है, महीने में एक समय आपने सबसे ज्यादा लोड कितना लिया। यह जानकारी बहुत काम की है। अगर MD आपके सैंक्शंड लोड से ज्यादा हो जाए, तो पेनल्टी लगेगी। ऐसे में आपको कनेक्शन का लोड बढ़वाना होगा।

निगम का बुलडोजर एक्शन : बगीचे की जमीन पर बन रहा पक्का मकान ढहाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम ने मंगलवार को अतिक्रमण और जर्जर भवनों के खिलाफ दो मोर्चों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए साफ संदेश दिया कि सरकारी जमीन पर कब्जा और नागरिकों की सुरक्षा से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निगम की रिमूवल टीम ने एक ओर बगीचे के लिए आरक्षित भूमि पर बन रहे करीब 2,000 वर्गफीट के अवैध मकान को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया, वहीं दूसरी कार्रवाई में गिरने की कगार पर पहुंचे एक जर्जर मकान के खतरनाक हिस्से को हटाकर संभावित हादसा टाल दिया। जोन-16 की टीम पुलिस बल और

जेसीबी मशीनों के साथ वार्ड-14 स्थित सुविधि नगर (ग्राम छोटा बांगड़दा) पहुंची। यहां खसरा नंबर 363, 363/3, 364/5 एवं 364/1 के प्लॉट क्रमांक 41-बी और 42-बी पर कॉलोनी के स्वीकृत लेआउट में बगीचे के लिए आरक्षित भूमि पर अवैध मकान बनाया जा रहा था।

चार नोटिस के बाद चला बुलडोजर-निगम अधिकारियों के अनुसार पुष्पावती पति रामपाल यादव द्वारा करीब 2,000 वर्गफीट क्षेत्रफल में मकान का निर्माण किया जा रहा था। निगम ने कार्रवाई करते हुए पूरे निर्माण को ध्वस्त कर दिया। क्षेत्रीय भवन

छोटी ग्वालटोली में टला बड़ा हादसा-दिन की दूसरी कार्रवाई छोटी ग्वालटोली क्षेत्र में की गई। यहां एक पुराने मकान का ऊपरी हिस्सा काफी जर्जर हो चुका था और कभी भी गिर सकता था। बारिश के मौसम में खतरा बढ़ने को देखते हुए निगम ने ऊपरी मंजिल पर बने दो कमरे और छज्जे को मैन्युअल तरीके से हटाया। सुरक्षा व्यवस्था के तहत कार्रवाई शुरू होने से पहले नीचे संचालित सभी दुकानों को बंद कराया गया, ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो। निगम की टीम ने सावधानीपूर्वक खतरनाक हिस्से को हटाकर क्षेत्र को सुरक्षित किया।

शिक्षक पात्रता परीक्षा हो सकती है जुलाई या अगस्त माह तक

शिक्षकों में परीक्षा को लेकर भय व्याप्त

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शिक्षक पात्रता परीक्षा की सुगबुहाट होने लगी है। शिक्षक जो काफी समय से इसे रोकने का प्रयास कर रहे थे, लेकिन अब यह परीक्षा की तैयारियां मूर्त रूप लेने लगी है। संभावना व्यक्त की जा रही है कि यह परीक्षा जुलाई या अगस्त माह में हो जाएगी। शिक्षक इन दिनों शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टीईटी को लेकर डरे और सहमे हुए हैं। डर इसका नहीं कि वे परीक्षा में फेल होंगे या उनकी नौकरी खतरे में आ जाएगी। डर उन्हें इस व्यवस्था से है जो अभी

तक परीक्षा का सिलेबस तक जारी नहीं कर पाई है।

सिलेबस जारी नहीं

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद यह तय हो गया था कि शिक्षक पात्रता परीक्षा होगी और इसका आयोजन जल्द ही किया जाएगा। हालांकि आदेश में 3 साल के दौरान परीक्षा पास करने की बात कही गई थी, जिसके बाद जुलाई और अगस्त में पहली परीक्षा आयोजित होने की चर्चा शुरू हुई। अब जबकि यदि जुलाई या अगस्त में परीक्षा कराई जानी है तो उसका सिलेबस जारी हो जाना चाहिए, ताकि शिक्षकों को यह पता तो रहे कि आखिर उनसे परीक्षा में पूछा क्या जाना है। यह जरूर चर्चा थी कि परीक्षा व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा ली जाएगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।